

मुंबई, महाराष्ट्र। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस कैथरीन ने मुंबई दौरे के दौरान मेट्रो लाइन-3 (एक्वा लाइन) में सफर किया।

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

शुभ प्रभात

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 151 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

सुविचार

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं।

– विनोबा भावे

सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। यह मुठभेड़ जिले के मीर बाजार इलाके में पिछले सप्ताह सीआरपीएफ चौकी पर आतंकवादियों की गोलीबारी के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जिसमें तीन जवान घायल हो गए थे। कश्मीर ज़ोन पुलिस ने आज सुबह बताया कि सीआरपीएफ नाके पर हुए पिछले सप्ताह हुए हमले के बाद से बड़ा अभियान चल रहा था, जिसमें तीन जवान घायल हो गए थे। कुलगाम में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने जिले के लारू इलाके में घेराबंदी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। पूरे इलाके को घेर लिया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक स्थानीय सहित दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान की जा रही है। माना जा रहा है कि साउथ कश्मीर के लारू कुलगाम में पुलिस और दूसरी फोर्स के साथ एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों में एक लश्कर तैयबा का कमांडर लतीफ भट भी शामिल है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

अमित शाह ने पुणे में अजित पवार की प्रतिमा का किया अनावरण

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय पुणे दौरे के दूसरे दिन सोमवार को स्व.अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया। पुणे जिला परिषद की पहली मंजिल पर आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री शामिल हुए। समारोह के दौरान पुणे जिला परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम भी अजित पवार के नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार को आना था,लेकिन वे समारोह में नहीं आए पाए। उनकी जगह सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अजित पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए नेहरू मेमोरियल हॉल में एक संक्षिप्त सभा हुई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत नेता को याद किया। यह कार्यक्रम को केवल एक श्रद्धांजलि समारोह के रूप में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर पुणे जिला परिषद परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

शादी से लौट रहे लोगों की कार पिकअप से टकराई,पांच की मौत

फाजिल्का। फाजिल्का के गांव थेह कलंदर के पास रविवार शाम एक कार और पिकअप की टक्कर में तीन नाबालिग समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 11 घायल हुए हैं। यह हादसा गांव के पास उस समय हुआ, जब वे एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। दुर्घटना के समय कार में 16 लोग सवार थे। घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है उन्हें अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान देसो बाई, सचिन, जौन, मनप्रीत और गुरलीन कौर के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाने एंबुलेंस बुलाई। सभी मृतक तिवाना कलां गांव के रहने वाले थे और करणी खेड़ा गांव में अपने रिश्तेदार के यहां एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

भारत,आसियान देशों के साथ घनिष्ठ मित्रता को अधिक महत्व देता : प्रधानमंत्री

शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने फिलीपींस पहुंचे पीएम मोदी,हुआ भव्य स्वागत



मनीला, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को फिलीपींस दो दिवसीय दौरे पर पहुंचने पर कहा कि भारत,आसियान देशों के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत अधिक महत्व देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया,मैं आज और कल फिलीपींस के मनीला में रहूंगा,जहां मैं 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा,भारत, आसियान देशों के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत अधिक महत्व देता है। मैं फिलीपींस में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा को लेकर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16-17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस के मनीला के 2 दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ 'जय' मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने वंदे मातरम् के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री के मनीला पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रमुख आधार के रूप में आसियान के साथ भारत की साझेदारी की पुष्टि करती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस में रहेंगे। 17 नवंबर को होने वाले दोनों शिखर सम्मेलनों में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। मनीला में आयोजित इन सम्मेलनों में आसियान के 11 सदस्य देशों के नेता और संवाद साझेदार देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता फिलीपींस के पास है और सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर कर रहे हैं। सम्मेलन का विषय नेविगेटिंग आवर फ्यूचर, टुगेदर रखा गया है। 17 नवंबर को आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अलावा आसियान-अमेरिका विशेष शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं की द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा,क्षेत्रीय स्थिरता, व्यापार, संपर्क,आपूर्ति शृंखला, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और क्षेत्रीय विवादों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। म्यांमार में जारी संघर्ष और दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े अन्य विवाद भी विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं। भारत और आसियान के बीच व्यापार संतुलन तथा मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे।

आत्मनिर्भर होना ही विकास की पहली सीढ़ी होती है : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भारत समिट में को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर हल्लाबोल



खंडवा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के विकास और कल्याण के लिए संकल्पित है। जनजातीय समाज का गौरव, स्वाभिमान,संस्कृति और आत्मनिर्भरता राज्य सरकार की विशेष प्राथमिकता है। राज्य सरकार जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उनके कल्याण,समृद्धि और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव सोमवार को खंडवा में हुए राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव सम्मेलन से पहले मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नगर निगम खंडवा में 16.97 करोड़ रूपए की लागत से 30 हजार वर्गफीट में नवनिर्मित पांच मंजिला कार्यालय भवन का लोकार्पण कर खंडवावासियों को सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडवा में दादाजी धूनीवाले के समाधि स्थल को भव्य स्वरूप दिया गया है। वहीं ओंकारेश्वर में 2500 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सहज जीवनशैली, गौरवशाली परम्पराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर होना ही विकास की पहली सीढ़ी,पहली जरूरत होती है। हमारा संकल्प है कि जनजातीय समाज अपनी पुरातन परम्पराओं को सहेजते हुए शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार और कौशल विकास के हर अवसर से जुड़े तथा आत्मनिर्भरता के साथ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा और स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय वीर नायकों का योगदान अतुलनीय रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश इतिहास के पन्नों में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिला। हमारी सरकार ने इन महानायकों के शौर्य, संघर्ष और बलिदान को समुचित सम्मान देने के लिए इनके नाम पर गौरव दिवस, स्मारक, उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित करने के साथ ही इनकी कर्मस्थली में कैबिनेट मीटिंग्स करने का निर्णय लिया है। वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में दो (जबलपुर एवं सिंग्रामपुर में) और राजा भभूत सिंह की स्मृति में पचमढ़ी में हम कैबिनेट मीटिंग कर चुके हैं। रानी दुर्गावती के नाम पर हमने कोदो-कुटकी (श्रीअन्न) प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की है। हम जनजातीय महापुरूषों के नाम पर विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज भी खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडला में राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है। हमने खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील के नाम पर और गुना में तात्या टोपे के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं। महू में रेलवे स्टेशन भी बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सच्चे अर्थों में महामानव थे। उन्होंने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत के

श्री श्री विश्वविद्यालय का आइकॉनिक टावर सांस्कृतिक विरासत का संगमः उपराष्ट्रपति

ओडिशा के कटक में श्री श्री विश्वविद्यालय में नवनिर्मित आइकॉनिक टावर का किया उद्घाटन

भुवनेश्वर,(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय में नवनिर्मित आइकॉनिक टावर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह टावर केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शैक्षणिक आकांक्षाओं के संगम का प्रतीक है। यह ज्ञान, परंपरा और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ जोड़ने वाली सोच का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और श्री श्री विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं आजीवन अध्यक्ष गुरुदेव श्री श्री रविशंकर उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री श्री विश्वविद्यालय गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की दूरदर्शी सोच का साकार रूप है। उनकी शिक्षा संबंधी अवधारणा पारंपरिक अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, चेतना और करुणा के विकास पर भी केंद्रित है। पूर्वी ज्ञान परंपरा और पश्चिमी शिक्षा पद्धति के समन्वय की भावना के साथ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2012 में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को अकादमिक सफलता दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति सार्थक योगदान देने वाले और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करना भी होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं को 'विश्व का सबसे खुशहाल परिसर' बताए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता पूरी मानवता की आकांक्षा है और यह भारत की संस्कृति तथा परंपराओं में गहराई से समाहित है। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से इन सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राहुल गांधी देश की छवि को खराब कर रहे हैं : अमित शाह



पुणे,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने से सत्ता हासिल नहीं होगी। राहुल गांधी को विदेशों में जाने के बजाय गांवों में जाकर जनता के बीच काम करना चाहिए। पुणे में नेशनल हेवी इंजीनियरिंग कोऑपरेटिव के पुनरुद्धार परियोजना की आधारशिला रखने के बाद शाह ने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनावी हार से हताश है और इसी कारण देश के नेतृत्व को निशाना बना रही है। हैदराबाद में भारत समिट के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश की छवि खराब कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर 10 वर्षों में 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का कोई मामला सामने नहीं आया। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस ने अपना रवैया नहीं बदला तो उसे अगले 30 वर्षों तक सत्ता से बाहर रहना पड़ सकता है। वहीं इस मामले में हैदराबाद में आयोजित भारत समिट को देश के खिलाफ बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे भारत विरोधी शक्तियों को एकजुट करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि खराब करने में लगे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे,तब गुजरात में निवेश समिट आयोजित की जाती थी। भाजपा शासित राज्यों में भी निवेश समिट के जरिए विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने और राज्यों की आर्थिक क्षमता को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस शासित राज्यों में ऐसे मंचों का इस्तेमाल देशहित के बजाय अराजकता फैलाने और भारत को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित भारत समिट ऐसा मंच था, जो भारत और तेलंगाना को मजबूती प्रदान कर सकता था, लेकिन इसका उपयोग भारत की छवि खराब करने के लिए किया गया। समिट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी के दौरान पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने मंच से 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगाया। भाटिया ने सवाल किया कि जब एक विदेशी नेता भारतीय लोकतंत्र और जनादेश का उपहास उड़ा रहा था,तब राहुल गांधी ने उसे रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यह नहीं कहते कि भारत के लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया हमारे आंतरिक मामले हैं और किसी विदेशी नेता को इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

पठानकोट में गनपॉइंट पर कार लूटी,पंजाब-कश्मीर में हाई-अलर्ट

पठानकोट। पठानकोट-जम्मू नेशनल हाइवे स्थित पठानकोट शहर के डाउनटाउन इलाके से गनपॉइंट पर कार लूटने की खबर सामने आई है। इसके बाद खुफिया एजेंसियों ने हाई-अलर्ट जारी किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद गाड़ी को पठानकोट से लेकर फरार हो गए हैं। इस घटना के बाद पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस सतर्क है और पूरे इंटर-स्टेट बॉर्डर व नेशनल हाईवे पर हाई-अलर्ट जारी कर दिया गया है। लूटी गई कार सफेद रंग की महिंद्रा 500 एक्सयूवी 500 है। गाड़ी का नंबर पीवीएक्सजेड-एए 9902 बताया जा रहा है। कार बमियाल के रहने वाले व्यक्ति के नाम पर दर्ज है। कार लूट की घटना के बाद हाईवे पर नाकाबंदी, पठानकोट-कठुआ-सांबा-जम्मू हाईवे पर स्थित सभी पुलिस नाकों, पीसीआर टीमों और संबंधित थाना प्रभारियों को तत्काल अलर्ट कर दिया गया है। यह वारदात थाना सुजानपुर क्षेत्र में हुई।

राष्ट्रीय सुरक्षा में अब हर नागरिक की भूमिका अहम है : राजा सुब्रमणि

सीडीएस बोले-तकनीक और सप्लाई चेन पर भारत का नियंत्रण जरूरी



नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा है कि बदलते वैश्विक हालात में राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल सेना या सरकार तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें उद्योग जगत, तकनीकी संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप और आम नागरिकों की भी अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। जनरल राजा सुब्रमणि ने सोमवार को एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0 में संबोधन के दौरान कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि देश में हर वस्तु का निर्माण किया जाए। इसका वास्तविक मतलब ऐसी क्षमताएं विकसित करना है, जिनके दम पर भारत अपने रणनीतिक फैसले स्वतंत्र रूप से ले सके और जरूरत पड़ने पर किसी बाहरी देश पर निर्भर न रहना पड़े। सीडीएस ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए समाज के हर वर्ग और संस्थान की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक दौर में राष्ट्रीय सुरक्षा का दायरा सैन्य अभियानों से कहीं आगे बढ़ चुका है। अपने संबोधन में जनरल राजा सुब्रमणि ने इसरो के नेविगेशन सैटेलाइट एनएवीएलसी-एनवीएस -03 के सफल प्रक्षेपण का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर 2026 को इसरो ने इस उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इससे पहले पीएसएलवी के लगातार दो प्रक्षेपण असफल रहे थे और एनवीएस-02 मिशन में भी तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि इन असफलताओं के बावजूद इसरो ने उनके कारणों की पड़ताल की, तकनीकी ऑडिट कराया और जरूरी सुधारों के बाद दोबारा सफलता हासिल की। यह दिखाता है कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तकनीकी क्षमता और लगातार सुधार की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है। सीडीएस ने कहा कि हड्डा1ढ्ढष्ट जैसे नेविगेशन सैटेलाइट केवल अंतरिक्ष कार्यक्रमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सटीक पोजिशनिंग,नेविगेशन और टाइमिंग प्रणाली लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों सहित कई आधुनिक सैन्य उपकरणों के संचालन के लिए बेहद जरूरी है।

सोशल मीडिया की जवाबदेही के तंत्र बनाने समाज में हो विचार मंथनः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सरकार ने नागरिक समाज,बुद्धिजीवियों और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालकों का आज आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया के कंटेट को उत्तरदायित्वपूर्ण बनाने के लिए और शिकायतों के निवारण के वास्ते एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए क्या ढांचा बनाया जाना चाहिए, इस पर गहन विचार मंथन करें ताकि सोशल मीडिया समाज को मजबूत बनाने में योगदान दे,ना कि कमजोर एवं विभाजित करे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आज किसी की कोई स्पष्ट जिम्मेदारी नहीं है। प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस और नीतियों के आधार पर आत्म नियमन करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था पर्याप्त है? क्या नागरिकों की आवाज, शिकायतों के निवारण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए केवल आत्म नियमन काफी है? पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की बदलती भूमिका,तकनीकी विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव और पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर विस्तार से अपनी बात रखी और बीते दो तीन दशकों में मीडिया के क्षेत्र में जो बदलावों और आने वाले पांच साल में उससे कहीं अधिक परिवर्तनों को लेकर सजग किया। उन्होंने सोशल एवं डिजिटल मीडिया की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन, सिंथेटिक तरीके से तैयार किए गए फर्जी कंटेंट और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय विषयों पर गुमराह करने वाले प्रचार की समस्या सामने आ रही है। वित्त मंत्रालय ने भी इस तरह के कई उदाहरण दिए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सामग्री के प्रति सचेत और सतर्क रहना चाहिए। केवल कम्युनिटी गाइडलाइंस बनाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन नियमों का प्रभावी तरीके से पालन हो। केंद्रीय मंत्री ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज खासकर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाकर उनके बैंक खातों से पैसे ठगे जा रहे हैं। इस तरह की घटनाओं में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भी कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्लेटफॉर्म को इस बात के प्रति सचेत नहीं रहना चाहिए कि उनके यहां किस तरह का कंटेंट प्रसारित हो रहा है और उसका इस्तेमाल लोगों को ठगने के लिए तो नहीं किया जा रहा है? वैष्णव ने कहा कि ये सभी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर आज पूरी दुनिया में समाज, सरकारों, सिविल सोसाइटी और मीडिया के बीच गंभीर चर्चा और बहस चल रही है। मंत्री ने कहा कि नागरिकों को सशक्त करना, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देना और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना जरूरी है। ऐसा मैकेनिज्म तैयार करना होगा, जिससे मीडिया और सोशल मीडिया दोनों के कारण समाज मजबूत हों, न कि कमजोर हो। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर चर्चा करनी होगी और एक साझा दृष्टिकोण तथा आम सहमति बनानी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मीडिया का उद्देश्य केवल सूचना पहुंचाना नहीं, बल्कि नागरिकों को आवाज देना और उनकी समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाना भी है। अश्विनी वैष्णव ने युवा पत्रकारों और मीडिया के विद्यार्थियों को भी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में तकनीक, इंटरनेट और समाज में बदलाव के कारण मीडिया में व्यापक परिवर्तन आया है, लेकिन अगले पांच वर्षों में इससे भी अधिक बदलाव देखने को मिलेंगे। अगले पांच साल में इतने बदलाव आएंगे, जितने पिछले 20 वर्षों में नहीं आए। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन युवा पत्रकारों के लिए चुनौतियों के साथ नए

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

जिला जेल हरदा में बंदियों के विधिक अधिकारों

निशुल्क विधिक सहायता एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु शिविर आयोजित



हरदा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा सोमवार को जिला जेल हरदा में बंदियों को उनके विधिक अधिकारों, निशुल्क विधिक सहायता सेवाओं एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किये जाने हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा श्री सुरेश कुमार सूर्यवंशी ने बंदियों को उनके संवैधानिक एवं वैधानिक अधिकारों, न्यायालयीन प्रक्रिया, जमानत संबंधी प्रावधानों तथा निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की पात्रता एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बंदियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता प?ने पर विधिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। शिविर के दौरान बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बंदियों को समझाया गया कि मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त रहकर वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है तथा रिहाई के पश्चात समाज की मुख्यधारा में पुन: सम्मिलित होने की दिशा में प्रयास कर सकते है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर, नालसा टोल फ्री हेल्पलाईन नंबर 15100 पर कॉल कर, विधिक सहायता अथवा सलाह आसानी से प्राप्त कर सकता है। इसके अतिरिक्त बंदियों की समस्याओं एवं जिज्ञासों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके निराकरण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा उन्हे निशुल्क विधिक सहायता सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स द्वारा बंदियों को उनके लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति के संबंध में अवगत कराया गया तथा प्रकरणों के निराकरण एवं न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री जवाहर पारे, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री अनीस मोहम्मद, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती अंतिमा चोलकर, पैरालीगल वॉलेंटियर एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

शिवना ब्रिज के नीचे गैरेज में भीषण आग, दो कारें और लाखों का सामान जलकर राख



तीन दमकलों ने मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

मंदसौर। शिवना ब्रिज के नीचे स्थित सिल्वर ऑटो गैरेज में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अचानक आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की चपेट में आने से सर्विसिंग के लिए आई दो कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इसके अलावा गैरेज में रखी मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और अन्य सामान भी जल गया। आग की लपटों ने पास स्थित इंडियन कार बाजार को भी अपनी चपेट में लिया, जिससे वहां भी नुकसान हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण दमकलकर्मियों को इसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रात्रि गश्त पर निकले सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों, दमकलकर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग को आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोका। गैरेज में ग्राहकों की दो कारें मरम्मत और सर्विसिंग के लिए खड़ी थीं। आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों कारों को बचाने का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते कारें पूरी तरह जल गईं। गैरेज में रखी कीमती मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और अन्य सामान भी आग से नष्ट हो गया। गैरेज मालिक ने करीब 30 से 40 लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान जताते हुए प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। जांच के बाद सामने आएगा आग का कारण सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने बताया कि मंदसौर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंची तीन फायर ब्रिगेड, पुलिस बल और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

हरदा-खिरकिया मार्ग की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूर्ण करें

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सोमवार को आयोजित समयावधि अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में हरदा-खिरकिया मार्ग की मरम्मत का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माण से जुड़े विभागों को स्वीकृत सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सिंचाई के सीजन में सिंचाई जल की उपलब्धता एवं वितरण से संबंधित प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने जनसुनवाई एवं मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों को कर वसूली में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में वनमंडल अधिकारी श्रीमती ज्योति मु?या, अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान एवं श्री पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शहर की स्वच्छता को मिलेगी नई रफ्तार, नगर पालिका को मिली नई पोकलेन मशीन

खरगोन । स्वच्छता सर्वेक्षण में खरगोन शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा नई पोकलेन मशीन क्रय की गई है। सोमवार को नगर पालिका के ट्रेंचिंग ग्राउंड में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरुण जोशी, उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कोल ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मशीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरुण जोशी ने कहा कि लंबे समय से पोकलेन मशीन की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण में खरगोन को बेहतर स्थान दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई मशीन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने कहा कि मशीन के माध्यम से शहर के नालों की सफाई, कचरे का निपटान एवं ट्रेंचिंग ग्राउंड से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य समय पर किए जा सकेंगे। इसके साथ ही शहर के विकास कार्यों में भी तेजी आएगी। अध्यक्ष श्रीमती जोशी ने कहा कि अब आवश्यक कार्यों के लिए अन्य संसाधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। नगर पालिका स्वयं मशीन के माध्यम से जरूरत के अनुसार कार्य समय पर संपन्न करा सकेगी। उन्होंने सभी पार्षदों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ खरगोन, सुंदर खरगोन का सपना जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही साकार होगा। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण समिति सभापति श्रीमती कविता अरविंद पाटीदार, लोक निर्माण समिति सभापति श्री धीरेंद्र सिंह चौहान, पार्षद श्री जगन्नाथ सांवले, श्री चंद्रपाल सिंह तोमर, श्रीमती बेबीबाई मंडलोई, श्री भगीरथ बड़ोले, श्री महेश वर्मा, श्री संतोष वर्मा, श्री वारिस चौबे, श्री रियाजुद्दीन शेख, पार्षद प्रतिनिधि श्री जितेंद्र चोपड़ा, श्री किशोर पुजारी, श्री मनोज वर्मा, श्री दिनेश पाटीदार, श्री सुमित चंदेल, श्री अल्ताफ आजाद, श्री अदीब बाबा सहित नगर पालिका के कार्यपालन यंत्री श्री राहुल पंवार, सहायक यंत्री श्री शैलेंद्र आवास्या, स्वास्थ्य अधिकारी श्री प्रकाश चित्ते, उपयंत्री श्री जयपाल जमरे, श्रीमती शिवानी पाटीदार, श्री अमित डामोर, श्री संजय सोलंकी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंदसौर में 1274 वोट रक्षकों की नियुक्ति, कांग्रेस ने शुरू किया अभियान

चरणसिंह सापरा बोले- भाजपा लोकतंत्र को डंडातंत्र में बदलने का कर रही प्रयास, मताधिकार की रक्षा के लिए कार्यकर्ता मैदान में उतरें

मंदसौर। कांग्रेस ने जिले में मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए वोट रक्षक अभियान शुरू किया है। सोमवार को अमलावद में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं एआईसीसी आब्जर्वर चरणसिंह सापरा की उपस्थिति में अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही जिले में 1274 वोट रक्षकों की नियुक्ति की गई। इस दौरान सापरा ने भाजपा पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र को डंडातंत्र में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि आम लोगों का वोट देने का अधिकार ही छीन लिया गया तो देश के लोकतंत्र के सामने गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। सापरा ने सोमवार को अमलावद, धमनार, साखतली और जमुनिया में वोट



बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत आयोजित चौपाल सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश के सामने अनेक मुद्दे हैं, लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा आम नागरिकों के मताधिकार की रक्षा का है। उनके अनुसार एसआईआर प्रक्रिया के दौरान देश में 13 करोड़ 38 लाख वोट काट दिए गए। उन्होंने भाजपा पर वोट चोरी के साथ सरकारें चुराने का भी आरोप लगाया और मध्यप्रदेश की सरकार का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले डेढ़ वर्ष से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। अब दो निर्वाचन आयुक्तों ने भी अपनी आपत्तियों के माध्यम से इस विषय को प्रमाणित किया है। कांग्रेस ने आम नागरिकों के वोट सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के साथ महंगाई, भ्रष्टाचार, आर्थिक विषमता और रुपये की कमजोरी जैसे मुद्दों पर भी जनता की आवाज बुलंद की जाएगी। संभाग समन्वयक एवं पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने कहा कि मताधिकार की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है और जनता के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। जिला प्रभारी सदाशिव यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र और भाजपा सरकार के खिलाफ मजबूती से संघर्ष कर रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर ने बताया कि जिले की 52 पंचायतों में चौपाल आयोजित की जा चुकी हैं और 1274 वोट रक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को भोपाल में होने वाले संविधान रक्षा मार्च में मंदसौर जिले से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। विधायक विपिन जैन ने कहा कि वोट के आधार पर ही लोकतंत्र जीवित है। यदि मतदाताओं के नाम ही सूची से हटा दिए जाएंगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भानपुरा में आक्रोश, सैकड़ों लोगों ने निकाली वाहन रैली

कलेक्टर के नाम एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन, कथित पत्रकार प्रदीप जीनगर पर सख्त कार्रवाई और जिला बदर की मांग



मंदसौर।सोशल मीडिया पर कर्मचारी-अधिकारियों, व्यापारियों, महिलाओं, पत्रकारों और आम नागरिकों के विरुद्ध कथित आपत्तिजनक समाचार एवं संदेश प्रसारित करने के मामले में सोमवार को नगर भानपुरा में आक्रोश देखने को मिला। कथित पत्रकार प्रदीप जीनगर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू-मुस्लिम सहित सर्व समाज के सैकड़ों नगरवासियों ने विजय स्तंभ से पुलिस थाना भानपुरा तक एक किलोमीटर से अधिक लंबी वाहन रैली निकाली। रैली के बाद प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर मंदसौर के नाम एसडीओपी गरोठ विजय यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रदीप जीनगर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक समाचार और संदेश पोस्ट कर लोगों को बदनाम एवं परेशान कर रहे हैं। इससे नगर और क्षेत्र में भय का माहौल बन रहा है। ज्ञापन के माध्यम से संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा जिला बदर किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई कि आरोपी द्वारा नगर के आठ युवाओं के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज कराए गए प्रकरण को शासन-प्रशासन द्वारा शीघ्र निरस्त नहीं करवाया गया तो भानपुरा नगर को अनिश्चितकाल के लिए बंद किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रदीप जीनगर के विरुद्ध पुलिस थाना भानपुरा में नगर परिषद, दो महिलाओं और आठ युवाओं से जुड़े मामलों में क्रॉस कायमी के तहत कुल चार प्रकरण दर्ज हैं। इसके अलावा एक दर्जन से अधिक शिकायतों की जांच लंबित बताई गई है। नगरवासियों ने प्रशासन से सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

ग्राम धामन्या में संसदीय संकूल विकास परियोजना का शुभारंभ 17 नवंबर को

बैतूल। भीमपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत धामन्या में 17 नवंबर को प्रात: 11 बजे संसदीय संकूल विकास परियोजना का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके ग्राम धामन्या पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां और व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री गणेश जायसवाल सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। कार्यक्रम के दौरान स्व-सहायता समूहों एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं सिकल सेल एनीमिया जांच शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने छात्रावास परिसर में किया पौधारोपण, विद्यार्थियों से की चर्चा

मंदसौर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला मंदसौर द्वारा रेवास देवड़ा रोड स्थित छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश चौहान के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया। इसके बाद मोर्चा पदाधिकारियों ने छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी दिनचर्या, शिक्षा और छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश चौहान, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोपाल, छात्रावास अधिकारी गोपाल राठौड़ सहित छात्रावास के विद्यार्थी एवं मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

नगरीय निकायों में वार्डवार पानी की लीकेज चिन्हित कर अवैध नल कनेक्शनों के विरुद्ध चलाएं विशेष अभियान



बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के नगरीय निकायों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर निर्माण कार्यों, पेयजल व्यवस्था एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यों की समयसीमा निर्धारित कर व्यवस्थित कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में वॉटरशेड, चेकडैम सहित अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लिए व्यवस्थित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित संरचनाओं का चिन्हांकन कर उनका निर्माण सुनिश्चित करने तथा सभी संरचनाओं की जीओ टैगिंग कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आमला एवं भीमपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से नल-जल योजनाओं के जल स्त्रोतों से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही सभी जनपद पंचायत सीईओ को अनुपयोगी बोरवेल को रिचार्ज करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने तथा अल्प वर्षा वाले ग्रामों में कुओं के निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर गांव-गांव का भ्रमण करने तथा विलेज-टू-विलेज मैपिंग के आधार पर जल संरक्षण एवं पेयजल व्यवस्था की जरूरतों का आकलन कर समग्र कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिला पंचायत सीईओ को शासन संधारित मंदिरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के नगरीय निकायों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति एवं संपत्तिकर सहित अन्य करों की वसूली की समीक्षा की। उन्होंने सभी नगर पालिकाओं को वार्डवार पेयजल पाइपलाइन में लीकेज का चिन्हांकन कर सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध नल कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें विच्छेदित करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुलताई नगर में पेयजल की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए गर्मी के मौसम में प्रतिदिन पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अभी से व्यवस्थित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। भैंसदेही में रामघाटी प्रोजेक्ट के लिए आवश्यक प्रस्ताव एवं परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं आठनेर में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही वैकल्पिक जल स्त्रोतों एवं आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अमृत 2.0 के कार्य समयसीमा में पूर्ण करें उन्होंने अमृत 2.0 योजना के तहत जिले में किए जा रहे वॉटर बॉडी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, मंगलवार 17 नवम्बर 2026

ओम बिरला गुजरात के वडनगर विश्व शांति महायज्ञ में होंगे शामिल

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 18 नवंबर को गुजरात के वडनगर स्थित ऐतिहासिक श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ में शामिल होंगे। यह महायज्ञ 11 नवंबर से चल रहा है और 20 नवंबर को संपन्न होगा। लोकसभा सचिवालय ने बताया कि 10 दिवसीय इस महायज्ञ का आयोजन वैश्विक शांति,सामाजिक सद्भाव और जनकल्याण के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह कांची कामकोटि पीठाधिपति जगद्गुरु शंकर विजयेंद्र सरस्वती स्वामीगल के मार्गदर्शन और सान्निध्य में आयोजित हो रहा है।

छठ पूजा के अंतिम दिन श्रद्धालु ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

रांची। झारखंड में छठ पूजा के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए लाखों श्रद्धालु नदियों, तालाबों और जलाशयों के तटों पर उमड़े। पूजा सामग्री से भरी बांस की टोकरियां, गन्ने और केले की घौद लेकर श्रद्धालु सुबह-सुबह घाटों पर पहुंचे और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। भक्ति गीत बजाए गए और पटाखे भी फोड़े। अधिकारी ने बताया कि राज्य भर में छठ का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और सुबह साढ़े आठ बजे तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

आर्थिक तंगी से बंद हुई अखबारी वेबसाइटों को फिर मिलेगा डिजिटल जीवन

हरिश्चंद्र प्रेस क्लब की निःशुल्क ई-पेपर वेबसाइट और तकनीकी सहयोग की पहल

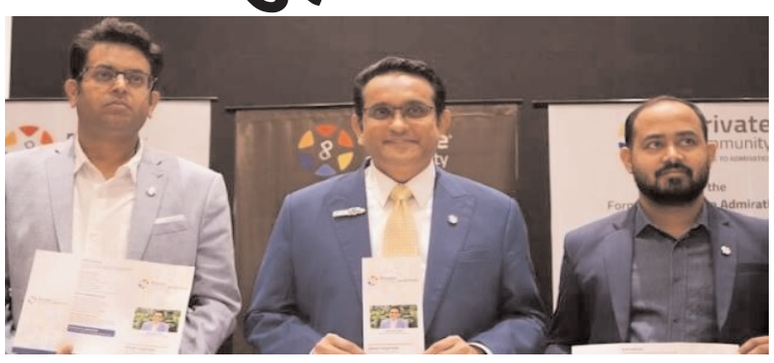

नई दिल्ली। डिजिटल पत्रकारिता के विस्तार के बीच छोटे और क्षेत्रीय समाचार-पत्रों के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो रही है। वर्षों से प्रिंट माध्यम में पाठकों तक अपनी बात पहुँचाने वाले अनेक प्रकाशनों के लिए वेबसाइट बनाना और उसे लगातार संचालित रखना आर्थिक रूप से कठिन होता जा रहा है। होस्टिंग,तकनीकी रखरखाव,सुरक्षा,प्रीमियम थीम और आवश्यक सॉफ्टवेयर का खर्च कई बार उनकी क्षमता से बाहर हो जाता है। नतीजतन,कुछ समाचार-पत्र अपनी वेबसाइट बंद करने को मजबूर होते हैं,जबकि कई प्रकाशन चाहकर भी डिजिटल दुनिया में प्रवेश नहीं कर पाते। इसी समस्या को देखते हुए हरिश्चंद्र प्रेस क्लब एंड मीडिया फाउंडेशन ने देश के पंजीकृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं को निःशुल्क डिजिटल ई-पेपर वेबसाइट तथा तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने की पहल की घोषणा की है। संस्था के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों के कारण बंद हो चुकी समाचार-पत्रों की वेबसाइटों को दोबारा शुरू करने के साथ उन प्रिंट प्रकाशनों को डिजिटल मंच उपलब्ध कराना है, जिनके पास वेबसाइट निर्माण और संचालन के लिए पर्याप्त आर्थिक या तकनीकी संसाधन नहीं हैं। प्रथम चरण में भारत के प्रेस रजिस्ट्रार जनरल पूर्व में आरएनआई के अंतर्गत पंजीकृत समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं को शामिल किया जाएगा। यह पहल केवल वेब होस्टिंग उपलब्ध कराने तक सीमित रखने के बजाय एक संपूर्ण तैयार वेबसाइट और उससे जुड़ी तकनीकी सुविधाएँ देने पर केंद्रित है। हरिश्चंद्र प्रेस क्लब के प्रस्ताव के अनुसार, इसमें वेबसाइट निर्माण और प्रारंभिक सेटअप, डिजाइन एवं थीम,आवश्यक प्लगइन और सॉफ्टवेयर का कॉन्फिगरेशन,होस्टिंग,सुरक्षा और बैकअप जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी। जिन प्रकाशनों की वेबसाइट पहले से मौजूद थी, उनके उपलब्ध डेटा और सामग्री को नई होस्टिंग पर स्थानांतरित करने में भी तकनीकी सहायता देने का प्रयास किया जाएगा। वेबसाइट शुरू होने के बाद आवश्यक बदलावों, तकनीकी समस्याओं और रखरखाव के लिए भविष्य में भी नि:शुल्क सहयोग उपलब्ध कराने की योजना है। इस पहल का महत्व इसलिए भी है क्योंकि डिजिटल उपस्थिति अब केवल बड़े मीडिया संस्थानों की जरूरत नहीं रह गई है। जिला, तहसील और छोटे शहरों से प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्र भी अपने नियमित पाठकों के साथ नई पीढ़ी तक पहुँचना चाहते हैं। लेकिन उनके लिए वेबसाइट का खर्च केवल शुरुआत तक सीमित नहीं होता। डोमेन, होस्टिंग, सुरक्षा और तकनीकी रखरखाव पर लगातार होने वाला व्यय छोटे प्रकाशनों के सीमित बजट पर अतिरिक्त दबाव डालता है। कई बार डिजिटल मंच से होने वाली आय उसकी संचालन लागत की भरपाई भी नहीं कर पाती। ऐसे में तकनीकी संसाधनों का साझा सहयोग छोटे प्रकाशनों के लिए उपयोगी विकल्प बन सकता है। हरिश्चंद्र प्रेस क्लब की इस पहल के अंतर्गत तीन प्रकार के प्रकाशनों को विशेष रूप से लाभ पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के नेतृत्व पर कार्यशालाएं आयोजित करेगा नीति आयोग

नवंबर 2026 से अक्टूबर 2027 तक चलेगी श्रृंखला,भारत मंडपम में पहली कार्यशाला



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नीति आयोग पांच राष्ट्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित करेगा। नवंबर 2026 से सितंबर 2027 तक चलने वाली इस श्रृंखला में नेतृत्व, सुशासन, समावेशी विकास, सभ्यतागत पहचान और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका से जुड़े अनुभवों और उपलब्धियों पर चर्चा होगी। पहली कार्यशाला 17 नवंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। नीति आयोग की ओर से आयोजित इस श्रृंखला का उद्देश्य गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के कार्यकाल के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों और उनके परिणामों का अध्ययन करना है। इसमें इस यात्रा से जुड़े अधिकारियों, संस्थानों और नागरिकों के प्रत्यक्ष अनुभवों को दर्ज किया जाएगा। इन अनुभवों को अध्ययन सामग्री, शोध पत्रों और केस स्टडी के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे कि सिविल सेवकों, प्रशिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और विद्यार्थियों को इनसे सीखने का अवसर मिल सके। कार्यशालाओं में पांच प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी। पहली कार्यशाला नवंबर 2026 में मिशन के रूप में नेतृत्व विषय पर आयोजित होगी। इसके बाद जनवरी 2027 में परिणाम देने वाला सुशासन, अप्रैल 2027 में समावेशी विकास,जुलाई 2027 में सभ्यतागत पहचान और सितंबर 2027 में वैश्विक शक्ति के रूप में भारत विषय पर कार्यशालाएं होंगी। पहली कार्यशाला में नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग जैन प्रतिभागियों का स्वागत करेंगे। आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी प्रारंभिक संबोधन देंगे। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ.पीके मिश्रा उद्घाटन भाषण देंगे,जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक मुख्य वक्तव्य देंगे। नीति आयोग के सदस्य डॉ.आर. बालासुब्रमण्यम कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। कार्यशाला में चार महत्वपूर्ण अनुभवों पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। गुजरात सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव टोपनो वर्ष 2001 के भूकंप के बाद कच्छ के पुनर्निर्माण से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और संघ लोक सेवा आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रीति सूदन कोविड-19 महामारी के दौरान की गई कार्रवाई पर विचार रखेंगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव शैलेश कुमार सिंह लखपति दीदी योजना और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। विकसित भारत के लिए नेतृत्व विषय पर एक परिचर्चा भी आयोजित होगी। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम इसका संचालन करेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा,भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रो. विशाल गुप्ता,नीति आयोग की विशिष्ट फेलो देबजानी घोष और हरदोई की संयुक्त मजिस्ट्रेट नारायणी भाटिया हिस्सा लेंगी।

दो अलग-अलग मुठभेड़ों में चार बदमाशों को लगी गोली,दो गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी तमंचे,कारतूस,दो बाइक बरामद की



नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चार आरोपियों और लूटपाट के मामलों में वांछित दो इनामी बदमाशों समेत छह लोगों को दो अलग-अलग मुठभेड़ों के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि दोनों मुठभेड़ों में चार बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस उपायुक्त (ग्रेटर नोएडा) ने बताया कि रबूपुरा थाने की पुलिस रविवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-20 के पास वाहनों की जांच कर रही थी, तभी बाइक सवार कुछ संदिग्ध लोग वहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन जब वे भागने लगे तो पुलिस ने पीछा कर उन्हें घेर लिया, जिसके बाद आरोपियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी कर दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी उनकी पहचान बुलंदशहर निवासी राजकुमार (22) और हापुड़ निवासी सचिन (22) के रूप में हुई है। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो अन्य साथी कमल और हरेंद्र उर्फ जितेंद्र मौके से फरार हो गए, जिन्हें बाद में तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों के पास से दो देसी तमंचे, कारतूस, दो बाइक और लोहे की रॉड बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने 8 नवंबर को इस्माइल की हत्या कर उसका शव नहर के किनारे फेंक दिया था। एक अन्य घटना में बीटा-दो थाने की पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में 25-25 हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस डाकिया बाबा गोल चक्कर के पास अवरोधक लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार दो संदिग्ध वहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस के रुकने का इशारा करने पर दोनों भागने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पीछा कर उन्हें घेर लिया, जिसके बाद आरोपियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी कर दी। सिंह ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। उन्होंने बताया कि इन आरोपियों की पहचान अलीगढ़ निवासी दीपू उर्फ पप्पू और हमीरपुर निवासी मोनू के रूप में हुई है।

किश्तवाड़ में एसपीओ को आतंकी समझकर मार डाला : कांग्रेस

एसपीओ की हत्या मामले में बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) की हत्या ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। जहाँ एक ओर हत्या के पीछे के कारणों की जांच चल रही है, वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने एक अप्रत्याशित दावा करते हुए घटना को नया मोड़ दे दिया है, जिस पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कर्रा ने दावा किया है कि दोनों एसपीओ, बाबी चंद और रशपाल कुमार, जंगल में शिकार के लिए गए थे और लौटते समय सिविल कपड़ों में होने के कारण सेना ने उन्हें आतंकवादी समझकर गोली चला दी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए ताकि हत्या के सभी पहलुओं को देखा जा सके। उन्होंने किश्तवाड़ के जिला अध्यक्ष से मिली जानकारी के आधार पर यह बात कही और हत्या के पीछे आतंकवादी एंगल की संभावना के साथ-साथ अन्य पहलुओं की पड़ताल पर जोर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस घटना को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के उस बयान पर सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मरवाह-दच्छन इलाके की मस्जिदों से हिंदुओं को मारने के ऐलान किए गए थे। कर्रा ने परिहार के दावे का सबूत मांगा और उनके बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे संवेदनशील मामले में इस तरह के बयान सांप्रदायिक तनाव बढ़ा सकते हैं। कर्रा के बयान पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। पार्टी ने कहा कि जब पूरा देश दो बहादुर एसपीओ के बलिदान पर दुखी है, ऐसे समय में कांग्रेस अध्यक्ष ने बिना जांच पूरी हुए एक अपुष्ट और काल्पनिक सिद्धांत पेश किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि इससे सुरक्षा बलों पर सवाल उठाए जा रहे हैं और लोगों के बीच भ्रम फैल रहा है। पार्टी ने कांग्रेस से अपने बयान वापस लेने और शहीद जवानों के परिवारों, सुरक्षा बलों तथा देश से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

पंजाब के तरनतारन बस हादसे पर मानवाधिकार आयोग सख्त



एनएचआरसी ने पंजाब के मुख्य सचिव को जारी किया सशर्त समन

तरनतारन। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तरनतारन में हुए बस हादसे और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत संचालित बसों में सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन को गंभीरता से लिया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को सशर्त समन जारी किया है। मुख्य सचिव को बसों की सुरक्षा व्यवस्था और हादसे के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट नहीं सौंपने पर उन्हें आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अनुसार, वह पिछले एक साल से अधिक समय से देशभर में यात्री बसों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की निगरानी कर रहा है। इस दौरान यात्री और स्लीपर बसों में होने वाले जानलेवा हादसों, बसों की बनावट में खामियों तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट (सीआईआरटी) के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। आयोग ने संबंधित राज्यों को सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर करने और तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए थे। इसी क्रम में नेटवर्क फॉर एक्सेस टू जस्टिस एंड मल्टीडिसिप्लिनरी आउटरीच फाउंडेशन की ओर से पंजाब सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत चलने वाली बसों में गंभीर सुरक्षा खामियों का आरोप लगाया गया था। इनमें बसों की बनावट में बिना अनुमति बदलाव,आपातकालीन निकास द्वार का अवरुद्ध होना तथा आग से बचाव और आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होना शामिल था। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पंजाब सरकार को योजना के तहत संचालित सभी बसों की जांच कराने और अनिवार्य सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली बसों को तत्काल सेवा से हटाने का निर्देश दिया था। हालांकि,आयोग का कहना है कि राज्य सरकार इन निर्देशों पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही। इस बीच, 14 नवंबर को तरनतारन में इसी योजना के तहत चलने वाली दो बसों की टक्कर हो गई।

गंगा में डूब रहे पिता-पुत्र को पीएसी आपदा राहत दल ने बचाया

कानपुर । छठ पूजा के दौरान हरिद्वार के बहादराबाद स्थित सर्वेश्वर घाट पर गंगा में नहाने के दौरान एक 16 वर्षीय किशोर डूबने लगा। बेटे को डूबता देख उसके पिता ने भी उसे बचाने के लिए गंगा में छलांग लगा दी लेकिन तेज बहाव के कारण वह भी डूबने लगे। घाट पर तैनात 40वीं वाहिनी पीएसी के आपदा राहत दल के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पीएसी की मुस्तैदी से छठ पूजा के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, 16 वर्षीय आयुष अपने परिजनों के साथ छठ पूजा के अवसर पर बहादराबाद स्थित सर्वेश्वर घाट पहुंचा था। परिवार के लोग गंगा किनारे पूजा-अर्चना में जुटे हुए थे। इसी दौरान आयुष ने गंगा में तैरने की कोशिश की। हालांकि, उसे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा और वह अचानक गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह डूबने लगा और मदद के लिए चीख-पुकार मचाने लगा। बेटे को गंगा में डूबता देख उसके पिता घबरा गए और उसे बचाने के लिए तुरंत नदी में छलांग लगा दी लेकिन गंगा का तेज बहाव उनके लिए भी मुसीबत बन गया। कुछ ही देर में पिता भी पानी में डूबने लगे।



सम्पादकीय

शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है। दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा-स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म-विश्वास दिया। अब आत्म-विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चैंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतज़दा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

दम के साथ सड़क पर उतरी भाजपा

जून और जुलाई में जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह संदेश ज्यादा व्यापक हो गया था। कांग्रेस और पारंपरिक विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सिविल सोसायटी भी सड़क पर दिख रही थी। उसकी प्रतिनिधि के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही थी। कहा जा रहा था कि युवा केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं। इससे एक विमर्श राष्ट्रीय स्तर पर बन रहा था। दिख भी रहा था कि भाजपा बैकफुट पर आई है, डिफेंसिव है और विपक्ष की ओर से तय किए गए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया दे रही है। अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। अब भाजपा प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, बल्कि संसद के साथ साथ सड़क पर भी नियंत्रण हासिल कर रही है। इसमें कोई दो राय ही नहीं है कि चुनावी राजनीति में भाजपा बाकी पार्टियों से बहुत आगे है। लेकिन अब वह दिखा रही है कि प्रदर्शन की राजनीति में भी वह बाकियों से आगे है। असल में इलेक्टोरल पॉलिटिक्स बनाम प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स का जो नैरेटिव बना था उसमें भाजपा ने अपनी पोजिशन रिक्लेम की है। अब वह विपक्ष को उसके अंदाज में जवाब दे रही है। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और कांग्रेस की रैली के बाद भाजपा अब जो कर रही है वह भाजपा का रिएक्शन नहीं है, बल्कि रिस्पांस है। इन दोनों में बहुत बारीक फर्क है।

एस. सुनील

सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। भारतीय जनता पार्टी दम दिखा रही है। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा था कि भाजपा सत्ता में है और वह सड़क पर संघर्ष करना भूल गई है। वे यह भी संदेश बना रहे थे कि सड़क पर तो कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों का नियंत्रण है। जून और जुलाई में जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह संदेश ज्यादा व्यापक हो गया था। कांग्रेस और पारंपरिक विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सिविल सोसायटी भी सड़क पर दिख रही थी। उसकी प्रतिनिधि के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही थी। कहा जा रहा था कि युवा केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं। इससे एक विमर्श राष्ट्रीय स्तर पर बन रहा था। दिख भी रहा था कि भाजपा बैकफुट पर आई है, डिफेंसिव है और विपक्ष की ओर से तय किए गए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया दे रही है। अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। अब भाजपा प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, बल्कि संसद के साथ साथ सड़क पर भी नियंत्रण हासिल कर रही है। इसमें कोई दो राय ही नहीं है कि चुनावी राजनीति में भाजपा बाकी पार्टियों से बहुत आगे है। लेकिन अब वह दिखा रही है कि प्रदर्शन की राजनीति में भी वह बाकियों से आगे है। असल में इलेक्टोरल पॉलिटिक्स बनाम प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स का जो नैरेटिव बना था उसमें भाजपा ने अपनी पोजिशन रिक्लेम की है। अब वह विपक्ष को उसके अंदाज में जवाब दे रही है। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और कांग्रेस की रैली के बाद भाजपा अब जो कर रही है वह भाजपा का रिएक्शन नहीं है, बल्कि रिस्पांस है। इन दोनों में बहुत बारीक फर्क है। भाजपा पहले रिएक्ट कर रही थी, अब रिस्पांस दे रही है और भाजपा का रिस्पांस ऐसा है कि अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां बैकफुट पर हैं। सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने इसके जरिए दो मैसेज दिए। पहला मैसेज बहुत बारीक है। उन्होंने कांग्रेस को वहां टारगेट किया, जहां उसे सबसे ज्यादा तकलीफ हो। साथ ही उन्होंने यह मैसेज दिया कि दक्षिण भारत में कर्नाटक के बाद तेलंगाना भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है। दूसरा मैसेज बहुत स्पष्ट था। अमित शाह ने कहा कि सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है। वहां उन्होंने राहुल गांधी को बहस करने की चुनौती दी। इसके बाद भी जब राहुल गांधी संसद से बाहर ही बहस के लिए अड़े रहे तो अमित शाह ने हरियाणा की पदयात्रा में कहा कि भाजपा का कोई भी सामान्य कार्यकर्ता किसी भी चौराहे पर राहुल गांधी से बहस करने को तैयार है। इस तरह भाजपा ने संसद में और संसद के बाहर किसी भी सार्वजनिक जगह पर बहस का दांव चल दिया है। भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को आम जनता से भी जोड़ा। भाजपा ने यह मैसेज बनवाया कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन की बात कर रही हैं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है क्योंकि भारत के नागरिकों के मन में और भारतीय समाज में भी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरीं हैं। कोई भी सामान्य मतदाता यह कतई नहीं चाहेगा कि अराजकता के जरिए या अलोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन की बात हो। रही सही कसर कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों और प्रदर्शन में शामिल लोगों ने पूरी कर दी। पहले सीपीआई एमएल की छात्र नेता नेहा बोरा ने कहा कि वे बांग्लादेश के प्रदर्शन से प्रेरणा लेती हैं। इसके बाद प्रशांत भूषण ने 'रिजीम चेंज' की बात कही। अब झारखंड के कांग्रेस विधायक और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि दिल्ली में 40 लाख छात्रों और युवाओं को राहुल गांधी ने रोक रखा है, अन्यथा वे सड़क पर उतर जाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के हालात बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर होंगे। सवाल है कि क्या भारत के आम लोग इस बात को स्वीकार करेंगे कि भारत के हालात नेपाल और बांग्लादेश से बदतर हो? कांग्रेस को इस पर जवाब देना होगा। यह भी बताना होगा कि क्या कांग्रेस और राहुल गांधी या पारंपरिक विपक्ष की दूसरी पार्टियां इस किस्म की बातों से सहमत हैं? भाजपा इन्हीं बातों को लेकर जनता के बीच जा रही है। जब वह अराजकता हटाओ की बात करती है तो उसका उद्देश्य यह बताना होता है कि दिल्ली में कैसे नवरात्रों, दशहरा और दिवाली जैसे बड़े हिंदू त्योहारों के बीच कांग्रेस और उसके प्रॉक्सी संगठनों ने दिल्ली को बंधक बना लिया। कैसे त्योहारों के बीच प्रदर्शन किए गए और दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली की गई, जिससे करोड़ों, अरबों का व्यापार प्रभावित हुआ। दूसरी बात यह है कि अराजकता हटाओ की बात करके भाजपा भारत को बांग्लादेश और नेपाल जैसा बनाने की संभावनाओं के प्रति लोगों को आगाह कर रही है। कह सकते हैं कि कांग्रेस, कॉकरोच जनता पार्टी और अन्य विपक्षी पार्टियों ने बैठे बिठाए भाजपा को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा थमा दिया है। ध्यान रहे इस समय नरेंद्र मोदी की सरकार तीसरे कार्यकाल के मिडटर्म में है। ढाई साल बीत गए हैं और ढाई साल के बाद लोकसभा का चुनाव है, जिसमें मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार चौथा चुनाव जीतने के लिए उतरेगी। उससे पहले मतदाताओं के मन में सरकार के कामकाज को लेकर कुछ सवाल होंगे तो पार्टी कार्यकर्ता भी सत्ता के मद में होंगे। अगर जनता के अंदर कुछ थकान होगी तो कार्यकर्ताओं में लापरवाही होगी। तभी भाजपा ने इस मौके का लाभ उठा पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने और उन्हें सड़क पर उतार कर पार्टी की सांगठनिक क्षमता की परख करने का फैसला किया। इसका पहला लाभ तो यह हुआ कि भाजपा ने प्रभावी तरीके से कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के प्रोपेगेंडे का जवाब दिया और दूसरा लाभ यह हुआ कि भाजपा के कैडर में नया जोश आ गया। यह काम उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ है।



राशिफल



मेष राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता के साथ आप अपने मन की बातें साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज कार्यों में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि- आज का दिन ठीक-ठाक वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, उनके सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

मिथुन राशि- आज का दिन उत्तम मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति समर्पण होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन उत्तम कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

सिंह राशि- आज उमंग और खुशी सिंह राशि वालों आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, उसे पूरे मन से करेंगे। आपको कोई नया अनुभव मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

कन्या राशि- आज का दिन अनुकूल कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें।

तुला राशि- माता-पिता की सेवा में बीतेगा दिन तुला राशि वालों आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो पहले उसकी अच्छी तरह जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजन संबंधी यात्रा का कार्यक्रम बनेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन शानदार वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपनी पढ़ाई और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी कागजी काम करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशि- आज उमंग से भरा रहेगा दिन धनु राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की अच्छी आय होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के बाद काम बन जाएगा। सगे-संबंधियों से अच्छा तालमेल बनेगा। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि- आज का दिन बेहतरीन मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है, क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेशपूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशि- कार्यक्षेत्र में मिलेगी तरक्की कुंभ राशि वालों आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने के बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे, तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। आज अनुभवी और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन तथा सलाह पर उचित अमल करें।

मीन राशि- नौकरी में मिलेंगे अच्छे अवसर मीन राशि वालों आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर आने के योग बन रहे हैं और उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे। भाइयों के साथ चल रही समस्या किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से हल हो जाएगी।

अतीत से आकर्षित, वर्तमान से सम्मोहित!

सत्येन्द्र रंजन

राजनीति में 'श्रमिक वर्ग' की वापसी एक तथ्य है, जिसे फर्जी बहसों से कुछ समय तक ही रोका जा सकता है। समझने की बात है कि सोवियत मोह या चाइना-मैक्सिंग अपने-आप में कोई स्वतंत्र परिघटना नहीं हैं। ये युवाओं की बदलती प्राथमिकता और राजनीति के मूड में आ रहे बदलावों का संकेत भर हैं। यह चर्चा तो पहले भी रही है, लेकिन पश्चिम के दक्षिणपंथी हलकों को यह परेशान करने की हद तक पहुंच गई है, इसका अंदाजा ब्रिटेन की कंजरवेटिव पत्रिका द स्पेक्टेटर में प्रकाशित एक लेख को पढ़ते हुए हुआ। लेख का शीर्षक है- Gen Z is falling for the Soviet Union यानी ज़ेन-जी सोवियत संघ के मोहपाश में फंस रहा है। गौरतलब है: सोवियत संघ के विघटन को लगभग चार दशक होने को आ रहे हैं। इस दौर में पश्चिम के दक्षिणपंथी और लिबरल बुद्धिजीवी घोषणा करते रहे हैं कि सोवियत संघ जिस वैचारिक युग का प्रतीक था, वह इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है। अक्सर, इस सिलसिले में लिबरल राजनीति-शास्त्री फ्रांसिस फुकुयामा की इतिहास का अंत होने की उद्घोषणा को याद किया जाता है, जिसके जरिए उन्होंने दावा किया था कि लिबरल-पूंजीवादी लोकतंत्र की अंतिम विजय हो गई है और अब यही मानवता का भविष्य है। लेकिन अब, जैसाकि द स्पेक्टेटर में जिक्र हुआ है, पश्चिमी देशों की युवा पीढ़ी (त्रद्गठ्ठ॑) फिर से सोवियत इतिहास, संस्कृति और प्रतीकों को लेकर एक अजीब और अप्रत्याशित आकर्षण दिखा रही है। 'द स्पेक्टेटर' के लेख में इस पर गहराई से चर्चा की गई है कि आधुनिक युवा सोवियत संघ के प्रति क्यों आकर्षित हो रहे हैं? हालांकि अपने दक्षिणपंथी रुझानों के कारण इस आलेख के लेखक इवो डेलिंगपोल ने अपनी इस धारणा पर भी बार-बार जोर दिया है कि यह आकर्षण मुख्य रूप से किसी गहरी वैचारिक या राजनीतिक प्रतिबद्धता का परिणाम नहीं है। यह बस एक सांस्कृतिक और सौंदर्यशास्त्रीय (aesthetic) घटना है। बहरहाल, वे स्वीकार करते हैं कि सोवियत संघ के राष्ट्रगान की धुन पर वीडियो बनाना, पुरानी स्लाविक शैलियों के परिधानों को पहनना, और सोवियत काल की 'ब्रूटलिस्ट' (Brutalist) वास्तुकला पर भव्य बनी इमारतों के वीडियो को रील्स के रूप में साझा करना आज के युवाओं के बीच एक बड़ा ट्रेंड बना हुआ है। डेलिंगपोल ने स्वीकार किया है कि जेन-जेड पीढ़ी के लिए सोवियत इतिहास शीत युद्ध के खौफ, वैचारिक दमन, या कम्युनिस्ट तानाशाही की दर्दनाक वास्तविकताओं से कोसों दूर है। उनके लिए यह सिर्फ एक 'कूल', रहस्यमयी और विजुअल रूप से आकर्षक शैली बना हुआ है, जिसे वे अपनी ऑनलाइन पहचान का हिस्सा बना रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इस प्रवृत्ति के पीछे केवल फैशन ही कारण नहीं है। बल्कि सामाजिक-आर्थिक पहलू भी इसके पीछे छिपे हैं। मसलन, अनेक युवा आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था की खामियों, बढ़ती महंगाई, आवास संकट और आर्थिक अस्थिरता से निराश हैं और वे व्यवस्था के विकल्प के रूप में समाजवादी विचारधारा की ओर झुकाव महसूस करने लगे हैं। मुमकिन है कि कुछ युवाओं के लिए (जैसाकि डेविंगपोल ने कहा है) यह केवल इतिहास के प्रति एक सतही जिज्ञासा भर हो, लेकिन इससे इस प्रश्न का जवाब नहीं मिलता कि आखिर यह जिज्ञासा सोवियत संघ के प्रति ही क्यों पैदा हुई है? उन्होंने कहा है कि इन प्रतीकों को केवल एक स्टाइलिश काउंटर-कल्चर के रूप में पेश किया जा रहा है, तो फिर सवाल वही है- आखिर काउंटर कल्चर के स्रोतों की तलाश उस व्यवस्था में युवा क्यों कर रहे हैं, जिसे बदनाम करने में पश्चिमी पूंजीवाद ने अपनी पूरी ताकत झोंके रखी है? बदनाम करने की वैसी ही मुहिम अतीत में कम्युनिस्ट चीन के खिलाफ भी चली, जो थोड़े समय तक मद्धम पड़ने के बाद अब फिर से बड़े प्रोपेगैंडा कैंपन का रूप लिए हुए है। मगर इस कहानी का दूसरा पहलू यह है कि इस प्रचार अभियान के बावजूद चीन के प्रति पश्चिमी युवाओं में आकर्षण बढ़ता चला गया है- इस हद तक कि इस परिघटना को चिह्नित करने के लिए चाइना-मैक्सिंग (Chinamaxxing) शब्द का इज़ाद किया गया है। चाइना-मैक्सिंग सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुआ नया ट्रेंड है, जिसमें खासकर पश्चिमी देशों के युवा चीन की संस्कृति, जीवन शैली, खान-पान, तकनीक और सामाजिक तौर-तरीकों को अपनाने तथा उनकी प्रशंसा करने लगे हैं। जाहिरा तौर पर इस शब्द के दो हिस्से हैं- China और Maxing Maxing का अर्थ है इंटरनेट की भाषा में किसी चीज को अधिकतम स्तर तक अपनाना या उसमें खुद को पूरी तरह ढालना। इसके कारणों को समझने की कोशिश में विश्लेषकों ने कहा है कि यह चीन की आर्थिक और तकनीकी उपलब्धियों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी और पश्चिमी समाज की मौजूदा जीवन शैली से उपजे असंतोष का मिला-जुला संकेत देते है। चाइना-मैक्सिंग को समझने के प्रयास में अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने एक खास स्टोरी प्रसारित की थी। उसके मुताबिक चाइना-मैक्सिंग से प्रभावित युवा सुबह गर्म पानी पीने लगे हैं, नाश्ते में चावल और कॉजी (ष्टश्ठ्ठद्दद्गद्ग) जैसे चीनी भोजन अपना रहे हैं, घर में चप्पल पहनने और पारंपरिक चीनी स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने लगे हैं, ताई ची और चीन के पारंपरिक व्यायाम में दिलचस्पी ले रहे हैं, चीनी फैशन, संगीत, फिल्म, तकनीक और उत्पादों की प्रशंसा कर रहे हैं, और चीन की हाई-स्पीड रेल, आधुनिक शहरों, और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सराहना कर रहे हैं। इसका एक लोकप्रिय सोशल मीडिया वाक्य है- You met me at a very Chinese time in my life (यानी आप मुझसे जिंदगी के उस दौर में मिले, जो चीन का युग है।) यह ट्रेंड 2025 में उभरना शुरू हुआ। जनवरी-फरवरी 2026 में टिकटॉक तथा इंस्टाग्राम पर यह तेजी से लोकप्रिय हुआ। तब इसको लेकर मेनस्ट्रीम मीडिया में चर्चा शुरू हुई। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महत्त्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक पहलुओं को इसका कारण समझा गया है। इनके मुताबिक पश्चिमी युवा चीन को अब केवल सस्ते सामान बनाने वाले देश के रूप में नहीं देखते। बल्कि इलेक्ट्रिक कारों, हाई-स्पीड रेल, डिजिटल तकनीक, रॉबोटिक्स, आधुनिक शहरों, और औद्योगिक क्षमता में चीन की उपलब्धियां उनके आकर्षण के बड़े कारण बन गए हैं। चीनी उत्पादों और मनोरंजन की वैश्विक लोकप्रियता भी इस प्रवृत्ति को बढ़ा रही है। इस कथा का दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू है- पश्चिमी देशों के बहुत से युवाओं में बाजार आधारित उपभोक्तावादी जीवन शैली, व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अलगाव को लेकर असंतोष। वे चीन में कुछ ऐसी चीजें देखते हैं, जो उनके अपने समाज में कमजोर पड़ती दिखाई देती हैं। मसलन, बेहतर सार्वजनिक परिवहन, आधुनिक शहरी सुविधाएं, तकनीकी विकास की तेज गति, सामूहिक जीवन, और पारिवारिक संस्कृति, तथा दीर्घकालिक विकास की योजनाएं। इस घटना का अर्थ है चीन का सॉफ्ट पॉवर तेजी से बढ़ा है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शाओयू युवान ने एपी से कहा कि चीन का सांस्कृतिक प्रभाव अब रोजमर्रा के उपभोग, मनोरंजन और उपयोगिता के माध्यम से फैल रहा है। सवाल है कि क्या चीन की सफलताओं को वहां की शासक कम्युनिस्ट पार्टी के सोशलिस्ट विचारों और नीतियों से अलग करके समझा जा सकता है? वैसे, वर्तमान सिर्फ नौजवानों के चीन के सॉफ्ट पॉवर से प्रभावित होने तक सीमित नहीं है। अमेरिका और यूरोप में युवा पीढ़ी में सोशलिज्म के प्रति बढ़ता आकर्षण पिछले कुछ वर्षों का एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक-सामाजिक घटनाक्रम है। इसके पीछे पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के परिणामस्वरूप पैदा हुई गैर-बराबरी, महंगी होती आवास व्यवस्था, रोजगार की अनिश्चितता, स्वास्थ्य और शिक्षा का बढ़ा खर्च तथा भविष्य को लेकर बढ़ती निराशा जैसे कारण अहम हैं। इसका भी अर्थ यही है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भले सोशलिज्म को लगभग अप्रासंगिक मान लिया गया था, लेकिन सिर्फ तीन-साढ़े तीन दशक बाद नई पीढ़ी के एक हिस्से में उस विचारधारा के प्रति दिलचस्पी बढ़ने लगी है, सोवियत संघ जिसका संदेशवाहक और प्रतीक था। पश्चिम इसके आरंभिक संकेत दशक भर पहले मिलने शुरू हुए। सर्वे एजेंसी गैलप के 2018 के एक सर्वेक्षण में 18-29 वर्ष के अमेरिकी युवाओं में 51 प्रतिशत ने सोशलिज्म के प्रति सकारात्मक तब राय जताई की थी, जबकि पूंजीवाद के प्रति सकारात्मक राय रखने वालों का प्रतिशत 45 ही था। पियू रिसर्च सेंटर के 2019 के अध्ययन में भी उम्र के आधार पर बड़ा अंतर दिखाई पड़ा। उसके मुताबिक युवा अमेरिकी सोशलिज्म को बुजुर्गों की तुलना में अधिक सकारात्मक नजरिये से देखने लगे थे। यह दीगर है कि सोशलिज्म के अर्थ को लेकर अलग-अलग लोगों की समझ में काफी अंतर सामने आता रहा है। बहरहाल, अमेरिका में अब इस रुझान की अभिव्यक्ति ठोस राजनीतिक नतीजों में होने लगी है। बीते तीन नवंबर को हुए मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ़ अमेरिका (डीएसए) से जुड़े और समर्थित उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। ऐसे आठ उम्मीदवार अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव का सदस्य हैं। राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय स्तरों तक के लिए हुए चुनाव में डीएसए के 50 से ज्यादा सदस्य इस बार विजयी हुए हैं। और जो रुझान अमेरिका में है, वह ब्रिटेन सहित यूरोप के भी कई हिस्सों में उभर रहा है। खासकर कोरोना काल के बाद यह प्रवृत्ति तेजी से आगे बढ़ी है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनोमिक अफेयर्स (IEA) की 2021 की एक सर्वे रिपोर्ट का मुख्य निष्कर्ष था कि 67 प्रतिशत युवा एक सोशलिस्ट आर्थिक व्यवस्था में रहना चाहते हैं। उनमें से 72 प्रतिशत युवा ऊर्जा, जल और रेलवे जैसे उद्योगों के फिर राष्ट्रीयकरण के पक्ष में थे। 78 प्रतिशत नौजवानों ने ब्रिटेन के आवास संकट के लिए पूंजीवाद को जिम्मेदार माना और 75 प्रतिशत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या पूंजीवादी व्यवस्था से जुड़ी हुई है। ये आंकड़े विशेष रूप से दिलचस्प हैं, क्योंकि IEA मुक्त बाजार और पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का समर्थक संस्थान है। हालिया सर्वेक्षण बताते हैं कि 2021 में जाहिर हुआ ट्रेंड अनवरत आगे बढ़ा है। इस वर्ष फ्रेजर इंस्टीट्यूट के "Realities of Socialism" प्रोजेक्ट के लिए कराए एक सर्वे के निष्कर्षों पर गौर करे: 18-34 वर्ष आयु वर्ग के 53 प्रतिशत ब्रिटिश युवाओं ने समाजवाद को आदर्श आर्थिक व्यवस्था माना। उसी अध्ययन यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल अंग्रेज़ी-भाषी देशों (ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के नौजवानों में समाजवाद के प्रति समर्थन बढ़ा है। बहरहाल, पूरे यूरोप के स्तर पर यह रुझान उतना साफ नहीं है। मसलन, एलायंज फाउंडेशन के 2025 के अध्ययन के अनुसार स्पेन में 16-39 वर्ष के युवाओं में सिर्फ 28 प्रतिशत स्वयं को वामपंथी विचारधारा के निकट मानते हैं। पांच बड़े यूरोपीय देशों में यह सबसे बड़ा अनुपात था। जर्मनी, फ्रांस, इटली और पोलैंड जैसे देशों में युवा राजनीतिक रूप से काफी विभाजित हैं। इनमें कहीं वामपंथी और कहीं धुर दक्षिणपंथी रुझान मजबूत हुए हैं।



ऑस्ट्रेलियाई वीज़ा इनकार और पुनः आवेदन के बारे में जानिए





वीजा के लिए आवेदन करने के लिए बहुत सारा समय, पैसा और प्रयास खर्च करना निराशाजनक हो सकता है, केवल यह जानने के लिए कि इसे मना कर दिया गया है। यह आपकी विदेश यात्रा, अध्ययन या यहां तक कि एक नया जीवन शुरू करने की योजना को बर्बाद कर सकता है। जब देश ऑस्ट्रेलिया के लिए आवेदन करता है तो आवेदन के साथ और भी अधिक सावधान रहने की आवश्यकता होती है क्योंकि उन्होंने वीजा देने के लिए एक कठिन दृष्टिकोण अपनाया है जिसमें आव्रजन और सीमा सुरक्षा विभाग के माध्यम से प्रत्येक और प्रत्येक वीजा आवेदन की जांच शामिल है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह वीज़ा के लिए सही है और किसी भी तरीके से कम पड़ता है, यह सुनिश्चित करने के लिए जानकारी को पूरी तरह से जाँच लिया जाता है, वीज़ा आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई वीज़ा मना क्या है?

ऑस्ट्रेलियाई वीज़ा और आव्रजन दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि कोई आवेदक अपनी पात्रता साबित करने में सक्षम नहीं है, तो एक वीज़ा आवेदन से इनकार कर दिया जाता है, क्योंकि आवेदन संबंधित वीज़ा श्रेणी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है, या क्योंकि अयोग्यता के आधार हैं वीजा आवेदन के अन्य पहलुओं पर। दूसरे शब्दों में, ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए अपात्रता के आधार पर वीजा देने से इनकार एक औपचारिक इनकार है। ऑस्ट्रेलियाई वीजा के इनकार के सामान्य कारण ऑस्ट्रेलियाई वीजा के इनकार के सबसे सामान्य कारण यहां दिए गए हैं=

1. गलत वीजा प्रकार के लिए आवेदन किया ऑस्ट्रेलिया में विशिष्ट स्थितियों और आवश्यकताओं के साथ लगभग 140 वीजा प्रकार हैं। उपयुक्त वीजा प्रकार का चयन किए बिना एक आवेदन जमा करना जो आपकी परिस्थितियों के लिए सबसे उपयुक्त है, अस्वीकृति का कारण हो सकता है। यही कारण है कि वीजा के लिए आवेदन करने से पहले एक विशेषज्ञ आव्रजन वकील से परामर्श करने की सिफारिश की जाती है ।

2. पिछले वीजा की किसी भी शर्त को पूरा नहीं किया यदि आप पिछली अस्थायी यात्राओं में से एक में आगे निकल चुके हैं और यह आपके रिकॉर्ड में परिलक्षित हो रहा है कि आपने निर्धारित समय के भीतर देश नहीं छोड़ा, तो आपका वीज़ा आवेदन अस्वीकार हो सकता है। आव्रजन और सीमा सुरक्षा विभाग आपके वीजा से इनकार कर सकता है यदि यह आपके पिछले रिकॉर्ड में दिखाया गया है कि आपने पिछले वीजा से जुड़ी शर्तों का दुरुपयोग किया है।

3. असंगत जानकारी आपके द्वारा अपने आवेदन के साथ जमा करने वाले प्रत्येक सहायक दस्तावेज की अच्छी तरह से जांच की जाती है, इसलिए, किसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रस्तुत की जा रही जानकारी इनकार करने की संभावना को कम करने के लिए सही है। किसी भी स्थिति में गलत या परिवर्तित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करना चाहिए।

4. ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मानकों को पूरा करने में विफलता ऑस्ट्रेलियाई वीजा की अस्वीकृति के सबसे सामान्य कारणों में से एक स्वास्थ्य आधार है। ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए वीज़ा के लिए एक आवेदन को अस्वीकार कर दिया जा सकता है यदि ऑस्ट्रेलियाई आव्रजन अधिकारियों का विचार है कि आप ऑस्ट्रेलियाई घरेलू वित्तीय प्रणाली पर वित्तीय बोझ होने जा रहे हैं। यदि 75 वर्ष से कम आयु के लोगों का संभावित उपचार .21,000 से अधिक है, तो आवेदक अपना वीजा खारिज कर सकता है। एचआईवी, कैंसर, हृदय की प्रमुख समस्याएं और मानसिक बीमारी जैसी चिकित्सा स्थितियां भी एक आवेदक को वीजा प्राप्त करने से रोक सकती हैं।

5. ऑस्ट्रेलिया की चरित्र आवश्यकताओं को पूरा करने में विफलता ऑस्ट्रेलिया में आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों के लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति है यही कारण है कि यह केवल %अच्छे चरित्र% वाले लोगों को वीजा की अनुमति देता है। आवेदकों का मूल्यांकन %चरित्र परीक्षण% के माध्यम से मामले के आधार पर किया जाता है और आव्रजन मंत्री के पास वीजा निरस्त करने का अधिकार होता है यदि उसके पास साक्ष्य हैं जो आवेदक के किसी भी पिछले आपराधिक रिकॉर्ड को प्रमाणित करता है।

6. यात्रा या रहने के लिए अपर्याप्त धन ऑस्ट्रेलिया दुनिया का चौथा सबसे महंगा देश है, इसलिए, आव्रजन और सीमा सुरक्षा विभाग को यह साबित करने के लिए आवेदकों की आवश्यकता होती है कि उनके पास ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए पर्याप्त धन है और साबित होने वाली राशि वीजा और उसके उप- पर निर्भर करती है वर्ग।

अगर एक ऑस्ट्रेलियाई यात्रा वीजा से इनकार कर दिया जाए तो क्या करें?

ऐसे कई दृष्टिकोण हैं जो तब ले सकते हैं जब ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए वीजा आवेदन को मना कर दिया गया है। हालाँकि, कोई भी कदम उठाने से पहले आपको निम्न कारण परिश्रम करना चाहिए=

1. आपको यह समझना चाहिए कि इनकार करने वाले पत्र का मूल्यांकन करके वीज़ा आवेदन को पहले स्थान पर क्यों अस्वीकार कर दिया गया था जो इनकार करने के कारणों को बताता है।
2. आपको वह जानकारी जुटानी चाहिए जो आपके पहले आवेदन में थी।
3. सुनिश्चित करें कि आप उस वीजा के लिए पात्र हैं, जिसके लिए आपने आवेदन किया है।
4. किसी विशेषज्ञ आव्रजन वकील की मदद लें ।

मना करने के बाद ऑस्ट्रेलियाई वीजा मिलने की संभावना

ऑस्ट्रेलियाई प्रवास कानूनों के तहत, विभिन्न मामलों में आपके मामले को फिर से प्रस्तुत करने का अवसर है। ऐसे कई उदाहरण हैं जब कई आवेदक जिनके वीज़ा एक बार अस्वीकार कर दिए गए थे या रद्द कर दिए गए थे, वे एक ही या अलग-अलग उप-श्रेणियों में अपना वीज़ा प्राप्त कर सकते थे। हालांकि, वीजा मिलने की संभावना पूरी तरह से केस टू केस आधार पर निर्भर करेगी।

ऑस्ट्रेलियाई वीज़ा कैसे मना करें?

जो आवेदक आश्वस्त हैं कि उन्हें गलत तरीके से वीजा देने से इनकार कर दिया गया है और वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, उनके आवेदनों की समीक्षा निम्नलिखित निकायों में से एक द्वारा की जा सकती है=

1. मेरिट्स रिव्यू ट्रिब्यूनल (MRT): MRT वह बॉडी है जो चरित्र के आधार पर पुनर्वित्त को छोड़कर अधिकांश वीजा इंकार और मामलों की समीक्षा करती है। इसके अलावा, प्रायोजन, नामांकन और निरस्तीकरण के मामलों को भी रूक्रञ्ज द्वारा देखा जाता है।
2. शरणार्थी की समीक्षा ट्रिब्यूनल (आरआरटी)= आरआरटी संरक्षण वीजा को रद्द करने और अस्वीकार करने की समीक्षा करता है। इस निर्णय के अधीन लोग केवल आरआरटी द्वारा समीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।
3. प्रशासनिक अपील न्यायाधिकरण (एएटी)= वीएटी द्वारा वीजा के इनकार और रद्द करने के मामलों की समीक्षा एएटी द्वारा की जाती है।

एक वकील कैसे मदद कर सकता है?

आव्रजन से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मात्रा में अनुभव रखने वाले वकील को ऑस्ट्रेलियाई वीजा से इंकार करने के मामलों में बहुत मदद मिल सकती है। एक वकील यह सुनिश्चित कर सकता है कि जिन लोगों को वीजा देने से मना कर दिया गया है, उन्हें बाद में ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए वीजा दिया जाता है। यदि आपके पास एक ऑस्ट्रेलियाई यात्रा वीजा इनकार है और एक नया आवेदन करना चाहते हैं या अपने पहले आवेदन पर सलाह की आवश्यकता है, तो एक अनुभवी आव्रजन वकील एक उपयोगी सहारा हो सकता है। एक वकील आपके इनकार नोटिस की समीक्षा करने और आपको एक कानूनी राय प्रदान करने में सक्षम होगा। यदि एक ताजा आवेदन आपका सबसे अच्छा विकल्प है, तो एक वकील भी आपको अधिक प्रभावी तरीके से तैयार करने में मदद कर सकता है, जबकि इनकार की संभावना कम है।

जानिए अमेरिकी वीजा इनकार और पुन आवेदन के बारे में



संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की योजना बनाते समय, ऐसे उदाहरण हो सकते हैं जब आपके वीजा आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाएगा। अमेरिकी कानून में आमतौर पर वीज़ा आवेदकों को अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास में साक्षात्कार करने की आवश्यकता होती है और संबंधित सूचना की वाणिज्य दूतावास या दूतावास द्वारा समीक्षा की जाने के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका के कानून द्वारा स्थापित मानकों के आधार पर आवेदन को मंजूरी या इनकार कर दिया जाता है। ।

यूएस वीजा इंकार क्या है?

अमेरिका के आव्रजन और वीजा कानून के दिशा निर्देशों के अनुसार, एक वीजा से इनकार किया जाना चाहिए यदि आवेदक अपनी पात्रता स्थापित नहीं कर सकता है, या तो क्योंकि आवेदन स्थापित वीज़ा श्रेणी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है, या क्योंकि अन्य के आधार पर अपात्रता के लिए आधार हैं। वीजा मामले के पहलू। एक वीजा इनकार एक अमेरिकी अप्रवासी अधिकारी द्वारा आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के अनुसार काम करने वाले गैर-आप्रवासी वीजा आवेदन का औपचारिक इनकार है।

अगर यूएस विजिट वीजा रिफ्यूज है तो क्या करें?

यदि आपके वीजा आवेदन से इनकार कर दिया गया है, तो ज्यादातर मामलों में, आवेदक को अयोग्यता के बारे में सूचित किया जाता है, जिसके कारण आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया है। यदि वे अपनी अयोग्यता की माफी के लिए आवेदन कर सकते हैं तो आवेदकों को कांसुलर द्वारा भी सलाह दी जाती है। हालाँकि, यदि आपको ऐसा करने की सलाह नहीं दी जाती है, तो आपको अपने आवेदन और अपने अमेरिकी आव्रजन इतिहास पर एक ईमानदार नज़र डालनी चाहिए, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आपके यूएस विजिट वीजा आवेदन को अस्वीकार क्यों किया गया है। यहां तक कि अगर आप कांसुलर अधिकारी के फैसले को अपील नहीं कर सकते हैं, तो आपके आवेदन के इनकार के बाद आप किसी भी समय वीजा के लिए फिर से आवेदन कर सकते हैं। यद्यपि यह अनुशंसा की जाती है कि आपको तुरंत इस उम्मीद में पुनः आवेदन नहीं करना चाहिए कि आप अस्वीकृति के कारणों का सही आकलन किए बिना अपने मामले को संभालने के लिए एक अधिक सहानुभूतिपूर्ण साक्षात्कार देंगे या एक अधिक सहानुभूतिपूर्ण अधिकारी को आकर्षित करेंगे।

यूएस वीज़ा इनकार के सामान्य कारण

जबकि अमेरिकी वीजा के लिए अधिकांश आवेदन स्वीकृत हैं, अमेरिका के आव्रजन कानूनों ने कई मानकों को निर्धारित किया है जिसके तहत वीजा आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है। आवेदन की अस्वीकृति के कारणों के लिए कांसुलर कार्यालय को यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं होना चाहिए कि आवेदक वीजा प्राप्त करने के लिए योग्य है, या आवेदक ने वीज़ा श्रेणी के लिए अर्हता प्राप्त नहीं की है जिसके लिए उसने आवेदन किया है, या यदि जानकारी प्रस्तुत संकेत दिया गया है कि आवेदक किसी अनजाने या कानून की अयोग्यता के आधार के दायरे में आता है। एक आवेदक का पूर्व इतिहास भी, उदाहरण के लिए, वीज़ा प्राप्त करने के लिए उसे अयोग्य बना सकता है। नशीली दवाओं या आपराधिक गतिविधियों। ऐसे कई कारण हैं जिनके आधार पर आपका यूएस वीजा आवेदन खारिज हो सकता है। सबसे आम कारणों में से कुछ को आपके अवलोकन के लिए नीचे सूचीबद्ध किया गया है=

1. वीजा प्रक्रिया के लिए अनपेक्षित वीज़ा प्रक्रिया की तैयारी करते समय उचित उचित परिश्रम करना चाहिए। आप इंटरनेट के माध्यम से प्रक्रिया के बारे में प्रासंगिक जानकारी एकत्र कर सकते हैं या सहायता प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय सरकारी वेबसाइटों की जांच कर सकते हैं। अप्रस्तुत होने के नाते आप विश्वास के तहत और इस प्रक्रिया से अनजान हैं जो अंततः साक्षात्कारकर्ता को आपके उत्तरों पर संदेह करेंगे।
2. गलत वीजा के लिए आवेदन किया आपके वीजा आवेदन के लिए पात्रता और मानदंड भी भिन्न हो सकते हैं जो आपके द्वारा आवेदन किए जा रहे वीजा के प्रकार पर निर्भर करता है। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप उस विशेष वीजा के लिए आवश्यकताओं और शर्तों को पूरा कर सकते हैं, जिसके लिए आपने आवेदन किया है। किसी विशेष वीजा के लिए आवेदन करते समय चीजों को ग्रहण नहीं करना चाहिए और हमेशा यह देखना चाहिए कि आप दिए गए श्रेणी में आते हैं या नहीं।
3. दी गई जानकारी अपर्याप्त या गलत है इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए, सभी को सही तरीके से भरना चाहिए और आवश्यक दस्तावेजों और सत्यापन रूपों के साथ पूरी तरह से तैयार होना चाहिए। अविवेकी और गलत जानकारी से वीर्य इनकार या लंबी प्रक्रिया हो सकती है। किसी को छोटे ओवरसाइट नहीं करने चाहिए, जिससे आपका वीजा मिलने में देरी हो सकती है।
4. इंटरव्यू में ओवर कॉन्फिडेंट होना वीज़ा प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर बहुत अधिक मुखर होने या साक्षात्कार के दौरान वीज़ा अनुमोदन के चरम विश्वास को व्यक्त करने से भी बचा जाना चाहिए क्योंकि यह आपको अभिमानी और अभिमानी के रूप में पेश कर सकता है।
5. आवश्यकता से अधिक जानकारी देना जब वाणिज्य दूतावास द्वारा साक्षात्कार किया जा रहा है तो विस्तृत विवरण देने के बजाय सरल और संक्षिप्त शब्दों में वाणिज्य दूतावास के सवालों का जवाब देना चाहिए। एक को अप्रासंगिक विवरणों में विभाजित नहीं करना चाहिए जो सीधे पूछे गए प्रश्नों से संबंधित नहीं हैं। इसके अलावा, किसी को साक्षात्कारकर्ता द्वारा अनुरोधित जानकारी नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे साक्षात्कारकर्ता द्वारा अधिक पूछताछ की जाएगी या संदेह पैदा होगा जो अन्यथा उत्पन्न नहीं होगा।
6. साक्षात्कारकर्ता के साथ सम्मान नहीं किया जा रहा है हमेशा साक्षात्कारकर्ता के प्रति विनम्रता और शिष्टाचार व्यक्त करके साक्षात्कारकर्ता के प्रति सम्मानजनक रवैया रखना चाहिए और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए अधिकार को प्रस्तुत करना चाहिए। गन्दी उपस्थिति होने से भी बचना चाहिए क्योंकि यह गंभीरता की कमी का संकेत होगा।
7. अप्रभावी जानकारी कभी-कभी अपरिचित लिंगो, विभिन्न लहजे और बोलियाँ या भाषा अवरोध आपको भ्रमित कर सकते हैं। एक दुभाषिया के लिए साक्षात्कारकर्ता से पूछने या दोहराने, समझाने या धीमा करने में संकोच नहीं करना चाहिए। प्रभावी संचार से इनकार करने की संभावना को कम करते हुए संभावित महत्वपूर्ण गलतफहमी और गलत बयानी से बचने में मदद मिल सकती है।

इनकार के बाद यूएस वीजा मिलने की संभावना?

वीजा के लिए आवेदक की पात्रता को स्थापित करने वाले आवेदक द्वारा अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत करने से कुछ वीजा खारिज किए जा सकते हैं। यदि आप मानते हैं कि आपके पास प्रासंगिक जानकारी और सबूत हैं जो आपके पिछले आवेदन में कमी थी और वीजा अधिकारी को आपके पक्ष में निर्णय लेने में मदद करेगा, तो आपको सभी सूचनाओं और सहायक दस्तावेजों के साथ वीजा के लिए फिर से आवेदन करना चाहिए। आपके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अलावा आवेदक की पात्रता तय करने का विवेक प्रत्येक मामले के गुणों के आधार पर अमेरिकी दूतावासों में कांसुलर अधिकारी पर निर्भर है।

यूएस वीज़ा इंकार करने की अपील कैसे करें?

एक बार अमेरिकी वीजा के लिए आपके आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया है, तो आप आवेदन पर पुनर्विचार के लिए कह सकते हैं। साथ ही, आप्रवासी या गैर-आप्रवासी वीजा प्राप्त करने वाला कोई भी व्यक्ति छूट के लिए कह सकता है, जो कुछ सीमित स्थितियों में उपलब्ध है। एक अनुभवी आव्रजन वकील की मदद लेने की सिफारिश की जाती है क्योंकि यह कानून का एक जटिल क्षेत्र है।

प्रक्रिया में कितना समय लगता है?

मना करने के बाद फिर से शुरू करने के लिए कोई समय प्रतिबंध नहीं है। यदि आवेदक के पास अतिरिक्त जानकारी है या सहायक दस्तावेज उपलब्ध है जो आगे वीजा के लिए आवेदक की योग्यता को प्रदर्शित कर सकता है, तो आवेदन को फिर से जमा किया जा सकता है।

आपको एक वकील की आवश्यकता क्यों है?

आव्रजन से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मात्रा में अनुभव रखने वाले एक वकील को अमेरिकी वीजा से इनकार करने के मामलों में बहुत मदद मिल सकती है। एक वकील यह सुनिश्चित कर सकता है कि जिन लोगों के पास वीजा से इनकार किया गया है, उन्हें बाद में अमेरिका में प्रवेश करने के लिए वीजा दिया जाता है। यदि आपके पास अमेरिका का दौरा वीजा से इनकार है और एक नया आवेदन करना चाहते हैं या अपने पहले आवेदन पर सलाह की आवश्यकता है, तो एक अनुभवी आव्रजन वकील एक उपयोगी सहारा हो सकता है। एक वकील आपके इनकार नोटिस की समीक्षा करने और आपको एक कानूनी राय प्रदान करने में सक्षम होगा। यदि एक ताजा आवेदन तुम्हारा सबसे अच्छा विकल्प है। एक वकील भी आपको अधिक प्रभावी तरीके से तैयार करने में मदद कर सकता है, जबकि इनकार की संभावना कम होती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

रोम। इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छो? के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गामिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गामिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गामिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गामिनी



फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गामिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छो?। बर्गामिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए। बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की।



कनाडा में रॉयल हॉर्स शो रॉयल रोडिया में भाग लेती हुई एक प्रतियोगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे।

ईसीओ बैठक में पाकिस्तान की अफगानिस्तान से आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई की मांग

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में आर्थिक सहयोग संगठन (ईसीओ) की मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं, विशेष रूप से आतंकवाद के खतरे को दूर करने की अपील की। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इसहाक डार ने कहा कि एक स्थिर अफगानिस्तान, जो अपने भीतर और पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखता है, पूरे क्षेत्र के साथ-साथ उसकी जनता के हित में होगा। डार का यह बयान तब आया है जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव चरम पर है। इस्लामाबाद लगातार आरोप लगाता रहा है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकवादी समूह अफगान सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ हमले कर रहे हैं, हालांकि अफगान तालिबान इन आरोपों को खारिज करता रहा है। दोनों पक्षों के बीच सीमा पार झड़पें और आरोप-प्रत्यारोप ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहद खराब स्थिति में पहुंचा दिया है। विदेश मंत्री डार ने कहा कि सार्थक प्रगति के लिए अफगान अधिकारियों को पड़ोसी देशों की वैध सुरक्षा चिंताओं, खासकर आतंकवाद के खतरे का समाधान करना होगा। उन्होंने सुरक्षित और स्थिर माहौल को क्षेत्रीय आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अनिवार्य बताया।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है।

अमेरिका में एक औद्योगिक संयंत्र में मिला बम, सैकड़ों लोगों से खाली कराए घर

वाशिंगटन। अमेरिका के इलिनॉय राज्य के पियोरिया शहर में एक औद्योगिक संयंत्र में बम मिलने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने शुक्रवार को संयंत्र के एक मील के दायरे में रहने वाले सैकड़ों लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया था। हालांकि पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की व्यापक तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के बाद शनिवार को लोगों को घर लौटने की अनुमति दे दी गई। पुलिस ने बताया कि बरामद बम को निष्क्रिय कर दिया गया और मामले की जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक पियोरिया स्थित 'बायोउर्जा रिन्यूएबल्स' संयंत्र में शुक्रवार दोपहर एक बम मिला था। इसके बाद अधिकारियों ने आसपास के एक मील के दायरे में रहने वाले लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया। इस दौरान इलाके की सड़कों को भी बंद कर दिया गया था। पुलिस ने शनिवार को अपने फेसबुक पेज पर बताया कि राज्य, संघीय और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयंत्र और उसके आसपास के इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान उन्हें कोई अन्य संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने कहा कि अब प्रभावित इलाके के लोग अपने घरों में लौट सकते हैं। पुलिस विभाग ने यह भी बताया कि सभी सड़कें खोल दी जाएंगी और मामले की जांच जारी रहेगी। एफबीआई के विशेष एजेंट ने कहा कि उनका विभाग इस मामले की जांच कर रहा है, लेकिन उन्होंने इससे जुड़ी अन्य जानकारी देने से इनकार कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और घटना में किसी के घायल होने की भी सूचना नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बम की धमकियां मिलना और संदिग्ध पैकेटों की सूचना मिलना असामान्य नहीं है। हालांकि, इनमें से कई मामलों में खतरे की पुष्टि नहीं होती।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

रोम। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा।

अंतरिक्ष से लौटे स्टारशिप को हवा में ही पकड़ाकर स्पेसएक्स ने रचा इतिहास



नासा ने कहा- यह जादू जैसा था, एलन मस्क ने दी टीम को बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप अंतरिक्ष यान शनिवार को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौट आया और प्रक्षेपण स्थल पर लगे विशाल यांत्रिक हाथों ने उसे हवा में ही पकड़ लिया। यान ने 22 घंटे पहले इसी स्थल से उड़ान भरी थी। यह एलन मस्क और उनकी टीम की उम्मीदों के मुताबिक शानदार समापन था। यह पहला मौका है जब अंतरिक्ष से लौटे स्टारशिप को हवा में ही पकड़ा लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को टेक्सास से प्रक्षेपण के कुछ ही देर बाद रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर में विस्फोट होने के कारण कंपनी एक ही उड़ान में रॉकेट के दोनों हिस्सों को पकड़ने की उपलब्धि हासिल करने से चूक गई थी। चंद्रमा और मंगल ग्रह की यात्रा में तेजी लाने के लिए कंपनी यह लक्ष्य हासिल करना चाहती है। बूस्टर का मलबा मेक्सिको की खाड़ी में पड़ा था और इस बीच स्टेनलेस स्टील से बना गोली के आकार का अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल पर सीधा नीचे उतरा। रिपोर्ट के मुताबिक 'साइंस फिक्शन' फिल्मों जैसे इस रोमांचक दृश्य ने बूस्टर को पकड़ने में मिली नाकामी को काफी हद तक भुला दिया। स्पेसएक्स के टिप्पणीकार डैन हुओट ने एक-एक शब्द पर जोर देते हुए उत्साह से कहा कि क्या आप इस पर यकीन कर सकते हैं? इसे देखिए! यह वापस आ गया है!'' इसके कुछ ही देर बाद मस्क ने अपनी ''टीम'' को बधाई दी। स्पेसएक्स के अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक पकड़ने से यह साबित हुआ है कि स्टारशिप का पूरी तरह दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। रॉकेट के हिस्सों का कम लागत पर दोबारा इस्तेमाल करने के लिए यह अहम उपलब्धि है। बूस्टर को वापस हासिल करने की कोशिश शुक्रवार को भले ही नाकाम रही लेकिन कंपनी इससे पहले तीन बार बूस्टर को सफलतापूर्वक पकड़ चुकी है। इससे इस तकनीक की उपयोगिता साबित हो चुकी है। नासा के प्रशासक जेरेड आइजैकमैन ने एक्स पर कहा कि यह लगभग जादू जैसा था। हर गुजरते दिन के साथ इस पर विश्वास करने वालों की संख्या बढ़ रही है...हम चंद्रमा पर अमेरिकी ध्वज फहराने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप ने शुक्रवार को अमेरिका और मेक्सिको की सीमा के पास स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस प्रक्षेपण केंद्र से उड़ान भरी थी। इस रॉकेट की ऊंचाई 407 फुट है। अंतरिक्ष यान पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा और उसने स्पेसएक्स के 26 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। स्टारशिप करीब 265 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी के चक्कर लगाता रहा। इस दौरान स्टारलिंक के जरिए अंतरिक्ष यान और पृथ्वी की तस्वीरों का सीधा प्रसारण किया गया। अंतरिक्ष यान ने पृथ्वी के 14 चक्कर पूरे किए। इससे पहले के परीक्षण में उसने पृथ्वी के केवल एक से दो चक्कर लगाए थे।

कोयला खदान में हुए विस्फोट में मृत चारों श्रमिकों के शव बाहर निकाले

बोगोटा। मध्य कोलंबिया के एक ग्रामीण इलाके में स्थित कोयला खदान में मीथेन गैस जमा होने से हुए विस्फोट में मारे गए चार लोगों में से शेष दो के शव रविवार को बरामद हो गए। देश की राष्ट्रीय खनन एजेंसी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि घटनास्थल पर तलाश और बचाव अभियान खत्म हो गया है, लेकिन विस्फोट की जांच जारी है। हादसे में मारे गए दो अन्य लोगों के शव शनिवार को निकाल लिए गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खदान कोलंबिया की राजधानी बोगोटा से करीब 240 किलोमीटर उत्तर में बोयाका प्रांत के चिता नगर पालिका क्षेत्र में स्थित है। चिता नगर पालिका प्रशासन के बयान के मुताबिक विस्फोट ला विक्टोरिया कोयला खदान में हुआ था। कोलंबियाई मीडिया पर प्रसारित सुरक्षा कैमरे के फुटेज में विस्फोट के बाद काले धुएं का विशाल गुबार और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। खनन अधिकारियों ने खदान में कामकाज रोकने का आदेश दिया। उन्होंने खदान का संचालन करने वाली कंपनी या व्यक्ति की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन कहा है कि खदान एजेंसी के पास विधिवत पंजीकृत थी।

संक्षिप्त समाचार

जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग तेज, कई दिग्गज समर्थन में उतरे

वाशिंगटन। दुनिया की सबसे बड़ी एआई चिप कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग की कंपनी में वापसी को लेकर गंभीर चर्चा शुरू हुई है। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क सहित सिलिकॉन वैली के कई प्रभावशाली कारोबारी और इतना ही नहीं कंपनी के निवेशक भी उनकी वापसी के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हुआंग ने भी अपने करीबी सूत्रों से संभावना पर विचार-विमर्श किया है, जिससे उनकी वापसी की अटकलें और तेज हो गई हैं। यह घटनाक्रम हुआंग द्वारा बीते हफ्ते सीईओ पद से इस्तीफा देने के बाद सामने आया है। उन्होंने चीन की एलिस हुआंग के साथ अफेयर की बात कबूलने के बाद 12 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद एनवीडिया की दो अन्य महिला कर्मचारियों के साथ भी उनके संबंधों की खबरें सामने आईं, जिसमें कंपनी की हेल्थकेयर वाइस प्रेसिडेंट किम्बर्ली पॉवेल और एक अन्य अनाम कर्मचारी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसियों को हुआंग के चीनी जासूस होने का भी संदेह है, जिससे यह मामला और जटिल हो गया है। मस्क और एपिक गेम्स के सीईओ टिम स्वीनी ने जेन्सन हुआंग को फिर सीईओ बनाने की मांग का पुरजोर समर्थन किया है। उनका मानना है कि हुआंग ने एनवीडिया को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केवल बाहरी दिग्गज ही नहीं, बल्कि एनवीडिया में निवेश करने वाली दो प्रमुख कंपनियों के प्रमुख ब्रैड गेर्स्टनर और गेविन बेकर ने भी कंपनी के बोर्ड को पत्र लिखकर हुआंग की वापसी पर विचार करने का आग्रह किया है। कंपनी के कई कर्मचारी भी आंतरिक रूप से हुआंग की वापसी के पक्ष में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हुआंग के समर्थक एक मजबूत कारोबारी समूह का गठन कर रहे हैं। इस समूह का लक्ष्य एनवीडिया के बोर्ड और यहां तक कि व्हाइट हाउस से भी उनकी वापसी के लिए समर्थन जुटाना है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या व्यक्तिगत आचरण से जुड़े विवाद, कंपनी के लिए उनके असाधारण योगदान के सामने फीके पड़ते हैं और क्या हुआंग एक बार फिर एनवीडिया की कमान संभालते हैं। इस मामले पर सिलिकॉन वैली और वैश्विक प्रौद्योगिकी जगत की निगाहें टिकी हुई हैं।

ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है। बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

कैपकेनवेरल। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

इज़राइल की 40 साल की भ्रामक खोज: लापता पायलट का नया सच

तेलअवीव। करीब चार दशकों तक इज़राइल अपने लापता पायलट रॉन अराद की तलाश में ईरान को ही मुख्य जिम्मेदार मानता रहा, इसकारण उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद ने कई बड़े और गंभीर कदम उठाए। अब एक विस्तृत जांच रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि इस खोज के दौरान मोसाद ने ईरान के दो जनरलों का अपहरण किया, जिसमें से एक, अलीरेज़ा असगरी, को पूछताछ के बाद मार डाला गया। दूसरे जनरल अब्दुल्ला साबेरी को इज़राइल ले जाकर पूछताछ की गई और बाद में दक्षिण अफ्रीका में छोड़ा गया। लेकिन इतने वर्षों की कोशिशों और इन चरम कार्रवाइयों के बाद, इज़राइल अब इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि रॉन अराद शायद कभी ईरान पहुंचा ही नहीं, उसकी मौत लेबनान में ही हुई थी। इजराइली वायुसेना के अधिकारी रॉन अराद 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय एक लड़ाकू विमान के क्षतिग्रस्त होने पर बाहर निकले और लेबनानी शिया संगठन अमल के लड़ाकों ने उन्हें पकड़ लिया। संगठन ने अराद के बदले लाखों डॉलर और कई फिलिस्तीनी व लेबनानी कैदियों की रिहाई की मांग की, लेकिन उस समय इज़राइली रक्षा मंत्री यित्ज़ाक राबिन कैदियों की अदला-बदली के लिए तैयार नहीं थे, जिसके चलते अराद की वापसी की उम्मीदें धूमिल होती चली गईं। इज़राइल को ईरान पर शक इसलिए हुआ क्योंकि ईरान लेबनान की राजनीति में गहरा प्रभाव रखता था और अमल सहित कई शिया संगठनों को वित्तीय व सैन्य सहायता प्रदान करता था। 1989 में अराद की पत्नी को इज़राइली सरकार ने भरोसा दिलाया कि उनके पति जिंदा हैं और उन्हें ईरानी एजेंटों को सौंप दिया गया है। 1992 में एक ईरानी डॉक्टर ने अराद का इलाज तेहरान और लेबनान में करने का दावा किया, हालांकि लाई डिटेक्टर टेस्ट के नतीजे स्पष्ट नहीं थे और डॉक्टर फिर सामने नहीं आया। फिर भी, इन अपुष्ट दावों ने इज़राइल के मन में ईरान के खिलाफ संदेह को और मजबूत किया। अपनी खोज के सिलसिले में, 1994 में इज़राइली कमांडो ने लेबनान से अमल के सुरक्षा प्रमुख मुस्तफा दिरानी को अगवा कर लिया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 17 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

लक्ष्य सेन अब हांगकांग जीतकर बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने उतरेंगे



काई टाक एरिना। कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन जीतने के बाद भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन अब मंगलवार से यहां शुरु हो रहे हांगकांग सुपर ओपन में अपनी इसी लय बनाये रखने पर उतरेंगे। लक्ष्य इस सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीतकर इस सत्र के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से उतरेंगे। हाल में लक्ष्य ने पहले हाइलो ओपन और उसके बाद कुमामोतो मास्टर्स जीता था। इन दोनो में जीत से 25 वर्षीय लक्ष्य ने विश्व टूर रैंकिंग में छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इस प्रदर्शन से चीन के हांगझोउ में होने वाले सत्र के अंतिम टूर्नामेंट विश्व टूर फाइनल्स भी में भी उनकी जगह तकरीबन पक्की तय हो गई है। वहीं जापान के कोकी वातानाबे और थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न भी शीर्ष आठ में जगह बनाने और दिसंबर में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में शामिल हैं, जिससे मुकाबला कड़ा हो गया है। ऐसे में लक्ष्य को अपनी जगह पूरी तरह पक्की करने के लिए हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना होगा, लेकिन यह अन्य दावेदारों के प्रदर्शन पर भी निर्भर करेगा। लक्ष्य अपने अभियान की शुरुआत स्थानीय खिलाड़ी ली च्युक यियु के खिलाफ करेंगे। यदि लक्ष्य अपना पहला मुकाबला जीतते हैं, तो दूसरे दौर में उनका सामना कुनलावुत वितिदसर्न से हो सकता है, जिससे एक रोमांचक भिड़ंत की उम्मीद है। वातानाबे ड्रॉ के दूसरे हाफ में हैं और अपने हमवतन केंटा निशिमोतो के खिलाफ शुरुआत करेंगे। वहीं अन्य भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सामना सातवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा, जिन्होंने पहले ही सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं महिला एकल में अनमोल खरब का मुकाबला जापान की चौथी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी से होगा, जबकि उन्नति हुड्डा का मुकाबला आठवीं वरीयता प्राप्त हान युइ से होगी। अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ पहले दौर में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी, वहीं देविका सिहाग और रक्षिता रामराज भी चीनी ताइपे की लिन सियांग टी और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट का सामना करेंगी इसके अलावा युगल स्पर्धाओं में, विश्व रैंकिंग में पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी का सामना चीन की हू के युआन और लिन शियांग यी से होगा।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने पहली बार जीता डब्यलूटीए फाइनल्स खिताब

एरानी और जैस्मीन की जोड़ी को खिताबी मुकाबले में हराया

इंडियन वेल्स। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिका की टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने पहली बार डब्लयूटीए फाइनल्स का खिताब जीता है। इस जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराने के साथ ही खिताब पर कब्जा किया। खिताबी मुकाबले में सिनियाकोवा और टाउनसेंड शुरुआत से ही हावी रहीं। उन्होंने कोर्ट पर बेहतरीन तालमेल और शक्तिशाली शॉट्स का प्रदर्शन करते हुए इटली की जोड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। पहले सेट में जहां उन्होंने अपनी सर्विस और रिटर्न्स की बदौलत 6-4 से जीत दर्ज की, वहीं दूसरे सेट में भी उन्होंने अपनी गति को बनाए रखा और 6-3 के स्कोर के साथ मैच पर कब्जा कर लिया। इन दोनो के साथ प्रदर्शन से विरोध जोड़ी को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। यह जीत टेलर टाउनसेंड के लिए उनके करियर का पहला डब्लयूटीए फाइनल्स खिताब है। वहीं, अनुभवी सिनियाकोवा ने दूसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने साल 2021 में अपनी पूर्व जोड़ीदार बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर यह खिताब जीता था। गौरतलब है कि सिनियाकोवा और टाउनसेंड की जोड़ी लगातार तीसरे साल डब्लयूटीए फाइनल्स में पहुंची थी, जो इस टूर्नामेंट में उनकी निरंतर उपस्थिति और क्षमता का प्रमाण है। पिछले सत्र में, उन्होंने उपविजेता के रूप में टूर्नामेंट का समापन किया था, और उससे पहले सेमीफाइनल तक का सफर तय करने में सफल रही थीं।

मोहित बोले जीत का जश्न खुशी जाहिर करना था, किसी को ठेस पहुंचाना नहीं

मुम्बई। एशिया कप अंडर-19 के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर जीत के बाद भारतीय टीम के जश्न को लेकर काफी चर्चा हुई थी। अब इसी मामले पर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मोहित उल्वा का बयान आया है। मोहित ने कहा कि जीत के बाद टीम का जश्न खुशी मनाने का तरीका था और इसका मकसद किसी भी विरोधी टीम के खिलाड़ी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। मोहित ने कहा कि भारत-पाक मुकाबला हमेशा ही रोमांच से भरा होता है, और यह तो फाइनल था। उन्होंने लीग चरण में पाकिस्तान की जीत के बाद उनके जश्न का जिक्र करते हुए कहा, यह स्वाभाविक था। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला था और ऊपर से फाइनल। लीग स्टेज में हमें हराने के बाद उन्होंने जिस तरह जश्न मनाया था, हमने भी फाइनल जीतने के बाद उसी तरह से खुशी मनायी है। मोहित ने का कि भारतीय टीम ने अपनी जीत का स्वाभाविक रूप से जश्न मनाया। उसमें भावनाएं थीं, आक्रामकता थी और सब कुछ स्वाभाविक था। हम उन्हें कुछ दिखाने के लिए ऐसा नहीं कर रहे थे। हम आपस में अपनी जीत का जश्न मना रहे थे। मोहित के इस बयान से साफ है कि भारतीय टीम का ध्यान अपनी उपलब्धि पर था, न कि विरोधी टीम का तंज कसना। इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में मोहित ने अंतिम ओवरों में चौका लगाकर भारत को एक विकेट से यादगार जीत दिलाई थी। उन्होंने महज 26 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की आतिशी पारी खेली थी।

मीरा एंड्रीवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीतकर सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग हासिल की

इंडियन वेल्स। रूसी टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने रविवार को इतिहास रचते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। 19 वर्षीय एंड्रीवा ने अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल मुकाबले में यूक्रेन की अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। इस शानदार जीत के साथ, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना सभी पांच मैच जीते और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग हासिल की। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 33.7 लाख डॉलर (लगभग 28.4 करोड़ रुपये) की इनामी राशि और एक अल्ट्रावॉयलेट पर्पल मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार से नवाजा गया। एंड्रीवा की जीत इसलिए भी अहम रही क्योंकि वह बिना कोई सेट गंवाए डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। इस विशिष्ट क्लब में क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज शामिल हैं। करीब दो घंटे चले फाइनल मुकाबले में एंड्रीवा ने आखिरी छह में से पांच गेम जीतकर अपनी जीत पक्की की। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी दो गेम में वे सिर्फ दो अंक ही जीत सकीं। मैच के बाद कोर्ट पर दोनों खिलाड़ियों के बीच परंपरा के मुताबिक हाथ नहीं मिलाए गए। यह 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद यूक्रेन टेनिस फेडरेशन द्वारा अपने खिलाड़ियों को रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने की नीति का पालन था। वहीं उपविजेता रहीं एलिना स्वितोलिना को 15 लाख डॉलर (करीब 12.6 करोड़ रुपये) मिले। 2018 की चैंपियन स्वितोलिना 2019 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। इसी इवेंट में, महिला डबल्स का खिताब चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिका की टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने इटली की सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर जीता। उन्हें 6 लाख 75 हजार डॉलर (5.68 करोड़ रुपये) और एक साल की मर्सिडीज-बेंज कार की लीज मिली।

ब्रिटिश प्रिंस विलियम और केट का मुंबई दौरा: गली क्रिकेट से लेकर अर्थशॉट पुरस्कार तक

मुंबई। ब्रिटिश प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन सोमवार को 3 दिवसीय भारत दौरे पर मुंबई पहुंचे। इस शाही जोड़े का स्वागत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने किया, इसके बाद उन्होंने मुंबई के ऐतिहासिक बल्लार्ड एस्टेट में बच्चों के साथ गली क्रिकेट खेली। यह विलियम और केट का दूसरा आधिकारिक भारत दौरा है, इससे पहले वे अप्रैल 2016 में भारत आए थे। अपने व्यस्त कार्यक्रम के दौरान, प्रिंस मुंबई की मेट्रो में सफर करने वाले है। जबकि केट एक अस्पताल का दौरा करेंगी। यह दौरा मुंबई के लोगों से जुड़ने और शहर में पर्यावरण संरक्षण तथा नई तकनीकों से जुड़े प्रयासों को समझने पर केंद्रित होगा। दोनों मुंबई की जीवंत फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों से भी मुलाकात करने वाले है। जो क्रिकेट, फैशन और फिल्मों के माध्यम से भारत और ब्रिटेन के गहरे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को उजागर करेगा। इस दौरे का प्रमुख आकर्षण 17 नवंबर को होने वाला प्रतिष्ठित अर्थशॉट प्राइज समारोह है। प्रिंस विलियम द्वारा करीब छह साल पहले शुरू किया गया यह पुरस्कार पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के अभिनव समाधान खोजने वाले व्यक्तियों और संगठनों को बढ़ावा देता है। हर साल पांच विजेताओं को 10 लाख पाउंड (करीब 11 करोड़ रुपए) प्रदान किए जाते हैं। इस साल का समारोह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जिसमें भारत के 24 राज्यों के 15 हजार स्कूलों तक कार्यक्रम पहुंचाया गया है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी जैसी भारतीय कंपनियों के फाइनलिस्ट में शामिल होने के साथ, यह पुरस्कार भारत के पर्यावरण नेतृत्व को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर होगा। इस बार पहली बार बच्चों के लिए भी चिल्ड्रन्स अर्थशॉट अवॉर्ड का आयोजन होगा। पुरस्कार समारोह में सचिन तेंदुलकर, आलिया भट्ट, रामी मालेक, करण जौहर और गायिका श्रेया घोषाल सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।



लंदन में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई आर्सेनल और लंदन सिटी लायोनेस की टीमें।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है। यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। फेयरफैक्स के पास पहले से ही सीएसबी बैंक में नियंत्रक हिस्सेदारी होने से दो भारतीय बैंकों पर एक ही विदेशी समूह का नियंत्रण होने की चिंताएं बढ़ी हैं। यूनियन ने हितों के टकराव और आईडीबीआई के प्रणालीगत महत्व को भी उठाया है, जिसके लिए विस्तृत जांच की आवश्यकता बताई गई है। प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में, बैंक कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है और 3 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पूर्व भी 2-3 नवंबर को हड़ताल हो चुकी है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

मुंबई। हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती। सीधे सब्सक्रिप्शन लेने वाली कंपनियां अपने ऑफिस एडमिन सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं, जबकि रीसेलर या क्लाउड सॉल्यूशन प्रोवाइडर से सेवा लेने वालों को अपने सर्विस प्रोवाइडर से संपर्क करना होगा।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा। भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और



मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 2027 में भारत-मिस्र राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ से पहले चार सूत्री कार्ययोजना का प्रस्ताव भी रखा। मिस्र की भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ने वाली रणनीतिक स्थिति, उसके विकसित बंदरगाह और लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे तथा अफ्रीकी, अरब एवं यूरोपीय बाजारों तक पहुंच भारतीय कंपनियों के लिए विनिर्माण एवं निर्यातोन्मुख कारोबार स्थापित करने के शानदार अवसर प्रदान करती है।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली। भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है। हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है। हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोमवार को सोने से ज्यादा चांदी में गिरावट देखी जा रही है। इंटरनेशनल मार्केट में चांदी का भाव सवा तीन फीसदी टूट गया है। कीमतों पर दबाव बनाने का काम ऊंची ब्याज दरों की टेंशन और महंगा डॉलर कर रहा। हालांकि, लंबी अवधि के नजरिये से विशेषज्ञ सोने में तेजी का अनुमान जता रहे। एमसीएक्स पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना सुबह 11 बजे करीब 1000 रुपये गिरकर 135670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह चांदी भी करीब 5300 रुपये यानी 3 फीसदी सस्ता हो गई है।

हॉलमार्क सोने की शुद्धता सवालों के घेरे में

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी ऑडिट संस्था, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने सरकारी एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कैग की ड्राफ्ट रिपोर्ट के अनुसार, बीआईएस बाजार में बिक रहे हॉलमार्क सोने की शुद्धता पर प्रभावी ढंग से निगरानी नहीं रख पा रही है, जिससे करोड़ों ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी होने का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नियम के मुताबिक, बीआईएस को हर साल ज्वैलर्स की दुकानों का निरीक्षण करना होता है। लेकिन पिछले पांच सालों (2020-21 से) में, बीआईएस 80 फीसदी से अधिक रजिस्टर्ड ज्वैलर्स की दुकानों पर जांच के लिए गया ही नहीं। वर्ष 2024-25 में भी 28,865 लाइसेंसधारकों में से केवल 5,444 की ही जांच हुई, यानी करीब 81 फीसदी दुकानों को चेक नहीं किया गया। इतना ही नहीं, गहनों की शुद्धता परखने वाले जांच केंद्रों (एएचसी) की निगरानी में भी बीआईएस अपने लक्ष्य से करीब 44 फीसदी पीछे रहा। कैग ने इस लापरवाही के पीछे लाइसेंस बांटने के बाद निगरानी न करना, जांच केंद्रों की अनदेखी जैसे कारण बताए हैं। बीआईएस ने अपनी सफाई में कर्मचारियों की कमी का हवाला दिया, जिसे कैग ने मानने से इनकार कर दिया है।



पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी कोलकाता स्थित लोक भवन में छठ पूजा समारोह के दौरान शामिल हुए।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है। इस आईपीओ के माध्यम से कोल इंडिया अपनी एक प्रमुख सहायक कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है, जिससे पूंजी बाजार में इसकी उपस्थिति और बढ़ेगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल पटेल जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल



भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जीवन की वास्तविक चुनौतियों के प्रभावी ढंग से समाधान के लिए व्यवहारिक अनुभव,तकनीकी दक्षता और नवाचार की क्षमता भी जरूरी है। राज्यपाल पटेल सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के 62वे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ.अवधेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास करें। शिक्षा की समग्रता,गुणवत्ता और रोजगार आधारित होने के साथ ही वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिक हो। विद्यार्थियों को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाए। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करें। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का महान संकल्प है,जो भारत को एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ हर नागरिक के सम्मान और समृद्धि से जुड़ा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने कर्म, चरित्र और नवाचार से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान दें। राज्यपाल पटेल ने विद्यार्थियों को कहा कि सरल और सफल जीवन जीने के लिए शिक्षा व संस्कार आचरण में दिखने चाहिए। व्यक्तिगत प्रगति के साथ माता-पिता, परिवार, गुरूजन एवं समाज और देश के कल्याण के लिये भी काम करना चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विद्यार्थी हमेशा ध्यान रखें कि मशीनें काम को सरल बना सकती हैं, पर मानवीय संवेदना, विवेक और नैतिकता का स्थान कभी नहीं ले सकतीं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ संवाद की कला, टीम भावना, समझ और कठिन समय में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी गुणों का विकास करें। राज्यपाल पटेल ने सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपा। विश्वविद्यालय की स्मारिका का लोकार्पण किया। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा का सदुपयोग समाज और राष्ट्र के समावेशी विकास में करें। वे जिस भी क्षेत्र या व्यवसाय में जाएं वहां पर नैतिकता और मानवता को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रस्तुत करें। सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और दांडिक न्याय विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलगुरू डॉ.आलोक त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सफल जीवन के सूत्र बताए।

भोपाल की सभी नहरों की प्रभावी ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर

भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश



भोपाल। भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान 2026-27 के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग अपनी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें तथा प्रमुख प्राथमिकता क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। कलेक्टर मिश्रा ने यह निर्देश सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के लिए का कार्ययोजना तैयार करें, जिसके उपरांत 7 अप्रैल से 30 जून तक इस अभियान का व्यापक संचालन किया जाएगा। उन्होंने जिले के समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में अनिवार्य रूप से रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग व वाटर रिचार्ज संरचनाएं निर्मित करने तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण एवं प्रगतिरत परियोजनाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि भोपाल की समस्त नहरों की प्रभावी ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए एवं कचरा संग्रहण किया जाएं। उन्होंने अर्बन कैनाल मैनेजमेंट और स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सौंदर्यीकरण तथा स्थलों के निरंतर निरीक्षण (स्पॉट इंस्पेक्शन) पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि नगर निगम एवं जल संसाधन विभाग समन्वय स्थापित कर इन कार्यों को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करें। कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने मुख्य प्रदर्शन सूचकांक के आधार पर सहकारिता,पशुपालन एवं डेयरी, किसान कल्याण तथा मत्स्य पालन विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करें,ताकि जिले के कृषकों को योजनाओं का प्रत्यक्ष व शत-प्रतिशत लाभ मिल सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने समस्त उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि शहर की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति के अनुरूप कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी स्ट्रीट वेंडर्स एवं दुकानों पर गीले तथा सूखे कचरे के लिए पृथक-पृथक डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा। बायोमेडिकल वेस्ट को कचरा वाहनों में सुरक्षित रूप से डाला जाए। साथ ही,प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्माणाधीन स्थलों पर ग्रीन नेट लगाना और नियमित वाटर स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव करना अनिवार्य किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित कर इन समस्त निर्देशों का पालन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने तथा अनावश्यक रूप से शिकायतों को अन्य विभागों में हस्तांतरित न करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

आदमपुर स्थित कचरा खंती के पास प्लास्टिक प्लांट में फिर लगी आग

20 फीट ऊंची उठीं लपटें,इस साल आगजनी की यह चौथी घटना है

भोपाल। राजधानी भोपाल के आदमपुर स्थित कचरा खंती के पास सोमवार सुबह प्लास्टिक प्लांट में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 20 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। प्लांट से निकलता धुएं का गुबार करीब 5 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। सूचना मिलते ही खंती और आसपास के फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। यह प्लास्टिक प्लांट प्रतिदिन 5 टन कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता वाला है और पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर संचालित होता है। इसका संचालन टेराफॉर्म संस्था कर रही है। संस्था के संचालक राहुल चौधरी के मुताबिक, शुरुआती तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आई है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगजनी का आदमपुर वेस्ट प्रोसेसिंग साइट के कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उपायुक्त भुवन गुप्ता ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आदमपुर कचरा खंती में इस साल आग लगने की यह चौथी घटना बताई जा रही है। इससे पहले भी यहां आगजनी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हर साल गर्मी और अन्य मौसमों में कचरे में आग लगने की घटनाओं के चलते यहां स्थायी रूप से दमकल वाहन तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद आग लगने पर उसे नियंत्रित करने में दमकलकर्मियों को मशक्कत करनी पड़ती है। आदमपुर खंती में जमा कचरे के निपटान का मामला लंबे समय से चर्चा में है। कचरे के ढेर और उससे होने वाले संभावित पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर आसपास के रहवासी भी चिंता जताते रहे हैं। स्थानीय स्तर पर भूजल प्रदूषण की समस्या का मुद्दा भी उठता रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों पर निर्भरता की बात सामने आती रही है। इस बीच आदमपुर खंती में जमा कचरे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी चल रही है। मामले में 17 नवंबर को सुनवाई निर्धारित है।

जल संसाधन मंत्री ने 37 आश्रितों को प्रदान किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र :

अनुकंपा नियुक्ति संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने का संवेदनशील माध्यम : मंत्री सिलावट



भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय में विभाग के दिवंगत शासकीय सेवकों के 37 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश प्रदान किए। इनमें सहायक वर्ग-3 के 23 तथा भृत्य के 14 पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं। मंत्री श्री सिलावट ने नवनियुक्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति केवल एक शासकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने का संवेदनशील माध्यम है। राज्य सरकार प्रत्येक ऐसे परिवार के साथ खड़ी है, जिसने अपने प्रियजन को खोया है। सरकार का प्रयास है कि दिवंगत शासकीय सेवकों के परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से आश्रित परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सम्मानपूर्वक जीवनयापन का अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिलावट ने आश्वस्त किया कि सरकार आपके साथ है। किसी भी परिवार को विपरीत परिस्थितियों में अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा। राज्य सरकार हर संभव सहयोग और संवेदनशीलता के साथ जरूरतमंद परिवारों के हित में कार्य करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 से अब तक जल संसाधन विभाग में कुल 391 दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारजनों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। यह विभाग द्वारा परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और उनके पुनर्वास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री विनोद देवड़ा, अधीक्षण यंत्री (प्रशासन) श्री आशीष महाजन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किरायेदारों से लेकर डिलीवरी बॉय तक का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

राजधानी भोपाल में अगले दो महीने तक लागू रहेगा पुलिस का आदेश



भोपाल। राजधानी भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सोमवार को आदेश जारी कर किरायेदारों, घरेलू नौकरों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों से लेकर ऑनलाइन सामान की डिलीवरी करने वाले कर्मचारियों तक का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी यह आदेश आगामी दो महीने तक पूरे शहर में प्रभावी रहेगा। नए आदेश के मुताबिक, मकान मालिकों को नए किरायेदारों और पेइंग गेस्ट की पूरी जानकारी एक सप्ताह के भीतर संबंधित थाने में देनी होगी। वहीं,पहले से किरायेदारों और घरेलू कर्मचारियों को रखने वाले मकान मालिकों को 15 दिन के भीतर उनका पूरा विवरण पुलिस को उपलब्ध कराना होगा। हॉस्टल संचालकों को भी अपने यहां रहने वाले छात्र-छात्राओं का रिकॉर्ड संबंधित थाने में दर्ज कराना अनिवार्य किया गया है। पुलिस कमिश्नर के आदेश के तहत घरेलू कर्मचारियों, सहायकों और अन्य घरेलू स्टाफ की जानकारी पुलिस को देना जरूरी होगा। होटल, लॉज, धर्मशाला, रिसॉर्ट और गेस्ट हाउस संचालकों को वहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का रिकॉर्ड रखना होगा। निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों और कारीगरों का भी पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा। वहीं, ट्रैवल एजेंसियों को किराये पर वाहन देने से पहले ग्राहकों की पहचान सत्यापित कर उनके दस्तावेज सुरक्षित रखने होंगे। इसके अलावा स्पा सेंटर,मसाज सेंटर और ब्यूटी पार्लर में काम करने वाले कर्मचारियों की जानकारी और पहचान संबंधी दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध कराने होंगे। निजी सुरक्षा एजेंसियों को अपने यहां तैनात सिक्योरिटी गार्डों का पूरा विवरण संबंधित थाने में जमा कराना होगा। आदेश में होम डिलीवरी और ऑनलाइन ऑर्डर की आपूर्ति करने वाले कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। संबंधित संस्थानों और एजेंसियों को डिलीवरी कर्मचारियों की पहचान सत्यापित कर उनके दस्तावेजों का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा।

हाईकोर्ट से नेहा की एफआईआर निरस्त करने की याचिका खारिज

कटनी की निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया को हाईकोर्ट से लगा झटका



भोपाल। मध्य प्रदेश के कटनी जिले की निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया को उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस रामकुमार चौबे की डिवीजन बेंच ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। इससे सम्बंधित आदेश सोमवार को अपलोड हुआ। मामला छब्बू कोल हत्याकांड की जांच के दौरान एक व्यक्ति पर जमीन की रजिस्ट्री दूसरे व्यक्ति के नाम कराने के लिए दबाव बनाने के आरोप से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने माना कि मामले में सामने आए तथ्यों की जांच आवश्यक है और इस स्तर पर एफआईआर निरस्त करने का कोई आधार नहीं बनता। मामले के अनुसार,1 अप्रैल 2026 को छब्बू कोल का शव खेत में मिला था। इस हत्याकांड में रमेश लोधी और उनके बेटे आकाश लोधी पर संदेह जताया गया था। उस समय नेहा पच्चीसिया मामले की जांच अधिकारी थीं। आरोप है कि जांच के दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए रमेश लोधी पर जमीन की रजिस्ट्री मारूफ अहमद हनफी के नाम कराने के लिए दबाव बनाया। इस पूरे घटनाक्रम में कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है। इस मामले में 19 अगस्त 2026 को कटनी के कुठला थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गईं। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में जमीन की रजिस्ट्री, बैंक खातों के लेनदेन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज सहित विभिन्न साक्ष्यों की जांच की जा रही है। प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन भी किया गया है। नेहा पच्चीसिया की ओर से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि उन्होंने छब्बू कोल हत्याकांड में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की थी, इसी वजह से उन्हें झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने बैंक खातों के लेनदेन और अन्य साक्ष्यों को अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों से असंबंधित बताया। उनकी ओर से यह भी कहा गया कि संबंधित जमीन की रजिस्ट्री में वह न तो खरीदार थीं, न विक्रेता और न ही गवाह। हालांकि,दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद डिवीजन बेंच ने एफआईआर निरस्त करने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए मप्र पुलिस की टीम का चयन शुरू

मुंबई में दिसंबर में आयोजित होगी 70वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट

भोपाल। मुंबई में आगामी दिसंबर में आयोजित होने वाली 70वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए मध्य प्रदेश पुलिस की टीम का चयन शुरू हो गया है। इसके लिए सोमवार को राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026-27 का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जोन से चयनित 91 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें निरीक्षक से लेकर आरक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मी शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं के.पी. वेंकटेश्वर राव के नेतृत्व और पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता के जरिए प्रदेश की टीम चुनी जाएगी। उल्लेखनीय है कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से मुंबई में 15 से 20 दिसंबर 2026 तक 70वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर की पुलिस टीमें अपनी तकनीकी और अनुसंधान संबंधी दक्षता का प्रदर्शन करेंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मुख्य रूप से साइंटिफिक एड्स टू इन्वेस्टिगेशन,पुलिस फोटोग्राफी और पुलिस वीडियोग्राफी की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान,व्यावहारिक कौशल, सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता और कार्यकुशलता का परीक्षण किया जा रहा है। प्रतियोगिता के तहत क्राइम सीन फोटोग्राफी, प्रोफेशनल पुलिस फोटोग्राफी,वीडियोग्राफी, फिंगरप्रिंट लिफ्टिंग,पैकिंग एवं फॉरवर्डिंग सहित वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन और अपराध अनुसंधान से जुड़ी विभिन्न विधाओं में प्रतिभागी अपनी दक्षता दिखा रहे हैं। प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष और विशेषज्ञतापूर्ण मूल्यांकन के लिए एफएसएल विशेषज्ञों,फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी विशेषज्ञों,मेडिको लीगल विशेषज्ञों तथा विधि एवं अभियोजन विशेषज्ञों का निर्णायक मंडल गठित किया गया है। विशेषज्ञ दो दिनों तक प्रतिभागियों की सैद्धांतिक जानकारी और व्यावहारिक दक्षता का आकलन कर रहे हैं।

चार दिवसीय महापर्व छठ उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न

भोपाल। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। राजधानी भोपाल में शीतलदास की बगिया, कमला पार्क सहित विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। व्रतियों ने जल में खड़े होकर उगते सूर्य को जल और गाय के कच्चे दूध से अर्घ्य दिया। इसके साथ ही 36 घंटे से चल रहे निर्जला व्रत का पारण हुआ। सूर्य देव की पूजा-अर्चना के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोला। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि,खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। घाटों पर सुबह से ही छठ के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और परिचितों के बीच छठ का प्रसाद वितरित किया। सुबह की पहली किरण के साथ घाटों पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल नजर आया। छठ पूजा के अंतिम दिन व्रतियों ने बांस के सूप में ठेकुआ,केला,नारियल,मौसमी फल,अक्षत और अन्य पूजन सामग्री सजाकर सूर्य देव को अर्पित की। परंपरा के अनुसार व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार और समाज की खुशहाली की प्रार्थना की। घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस विशेष पूजा के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री देवास में आज करेंगे सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का लोकार्पण

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार, 17 नवंबर को देवास को एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) से जुड़कर देवास को कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम देवास में लगभग 9.44 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित 400 मीटर लंबाई के 8 लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का लोकार्पण करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जानकारी दी गई कि कार्यक्रम दोपहर एक बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक गायत्री राजे पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी शिवम शुक्ल ने बताया कि नवनिर्मित सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक देवास जिले की खेल अधोसंरचना को नई मजबूती प्रदान करेगा। इस आधुनिक ट्रैक के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को एथलेटिक्स के अभ्यास एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता निखारने, बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे।

दुष्कर्म के आरोपित के तीन मंजिला मकान पर चला बुलडोजर

भोपाल। प्रदेश के विदिशा में छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी चंदू मियां के खिलाफ सोमवार को प्रशासन ने कार्रवाई की। वन विभाग की टीम ने जांच के बाद आरोपी की आरा मशीन को सील कर दिया। वहीं,प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची और आरोपी के तीन मंजिला मकान को गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी। प्रशासन ने मकान को अवैध निर्माण बताया है। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के अनुसार,आरोपी चंदू मियां के खिलाफ रविवार को छह साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सोमवार को वन विभाग की टीम ने उसकी आरा मशीन की जांच की। इस दौरान वहां बिना अनुमति के बड़ी मात्रा में गीली लकड़ी रखी मिली, जिसके बाद मशीन को सील कर दिया गया। आरोपी के खिलाफ प्रशासन की यह कार्रवाई सुबह सकल हिंदू समाज और विश्व हिंदू परिषद के प्रदर्शन के बाद हुई। कार्यकर्ताओं ने विवेकानंद चौराहे पर प्रदर्शन कर आरोपी की आरा मशीन बंद कराने और उसके अवैध निर्माणों को हटाने और आरोपित का एनकाउंटर करने की मांग की थी।

एग्रो के माध्यम से किसानों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें : कुशवाह

भोपाल। मध्य प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि एम.पी. स्टेट एग्रो इन्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमि. की गतिविधियों का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचना चाहिए। निगम अपनी व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार कर निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करें। मंत्री कुशवाह ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में एमपी एग्रो की विभागीय योजनाओं समीक्षा बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि निगम अपनी एजेंसियों एवं चैनल पार्टनर्स के माध्यम से स्वीकृत निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराए। निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं को स्थानीय जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता से दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की नियमित निगरानी हो तथा गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री कुशवाह ने सूक्ष्म सिंचाई उपकरणों, जैव उर्वरकों एवं खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी के विपणन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने उज्जैन सिंहस्थ-2028 से संबंधित संभावित कार्यों की तैयारियां अभी से प्रारंभ करने तथा निगम की सभी लंबित गतिविधियों में तेजी लाने को कहा।